राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 14 अगस्त 2026 वर्ष-9,अंक-193 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

चुनाव से पहले योगी सरकार का 'खेला'

प्रदेश की महिलाओं को 50-50 हजार रुपए देने की तैयारी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार विधानसभा चुनाव से पहले महिला वोटबैंक को साधने के लिए बड़ी योजना लागू कर सकती है। इसके तहत 50 लाख से ज्यादा महिलाओं को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। चुनाव से पहले 20 हजार रुपए की पहली किस्त दी जाएगी। चुनाव के

बाद भाजपा की सरकार बनने पर 10-10 हजार रुपए की 3 किस्तें दी जाएंगी। सरकार में योजना को लेकर मंथन शुरू हो गया है। चुनाव अगले साल जनवरी-फरवरी में हो सकते हैं। दरअसल, पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद भाजपा की नजर अब यूपी पर है। बिहार में चुनाव से ठीक पहले महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपए भेजे गए थे। उसी तर्ज पर यूपी में भी योजना शुरू की जाएगी।

चुनाव से पहले महिलाओं को साधेगी सरकार- योगी सरकार जेन-जी आंदोलन के बीच वोटबैंक को साधने के लिए महिला सहायता, स्वरोजगार और आर्थिक स्वावलंबन के लिए योजना लाने की तैयारी में है। महिला कल्याण विभाग के जरिए योजना प्रस्तावित की जाएगी।

छात्र प्रदर्शन मामले में 600 पर एफआईआर

पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ने और झड़प मामले में बढ़ी सख्ती

रांची (एजेंसी)। जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन के अगले चरण को लेकर रांची जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। वहीं पिछले दिनों हंगामे के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। रांची में पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ने और झड़प के मामले में करीब 600 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें करीब 100

लोग नामजद हैं। वहीं, लगभग 500 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है।बताया जा रहा है कि नामजद लोगों में ज्यादातर बीजेपी के युवा कार्यकर्ता हैं। एफआईआर के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस नामजद आरोपियों की तलाश कर रही है। साथ ही प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं की जांच भी की जा रही है। उधर,आंदोलनकारी छात्रों ने 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की तैयारी की है। हालांकि आंदोलित छात्रों ने औपचारिक तौर पर इसका ऐलान नहीं किया है, लेकिन खुफिया इनपुट के मद्देनजर सुरक्षा बढ़ी है।

दिल्ली का लाल किला ब्लास्ट

अलकायदा ने कराया

● यूएन की रिपोर्ट में दावा, हाथ होने का हुआ बड़ा खुलासा ● एनआईए की जांच में भी यही निकला था

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल किले के पास हुए धमाके में अलकायदा से जुड़े संगठन का हाथ था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 38वीं रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। 10 नवंबर 2025 की शाम लाल किले के पास हुए इस धमाके में 11 लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक अलकायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट ने इस धमाके को अंजाम दिया। इसमें कहा गया है कि अलकायदा अब छोटे-छोटे सेल के जरिए काम कर रहा है और उसने अपना लॉजिस्टिक्स, फाइनेंशियल नेटवर्क भी तैयार कर लिया है। इससे पहले आई यूएन की 37वीं रिपोर्ट में एक सदस्य देश ने इस हमले के पीछे जैश-ए-मोहम्मद का हाथ बताया था। यानी इस हमले को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की लगातार दो रिपोर्टों में दो अलग-अलग आतंकी संगठनों के नाम सामने आए हैं। एनआईए की चार्जशीट में भी यही दावा था।

बांग्लादेश में आतंकी सेल बनाने की कोशिश

एनआईए की एनालिटिकल सपोर्ट एंड सेंक्शंस मॉनिटरिंग टीम की यह रिपोर्ट 10 अगस्त को जारी की गई। इसमें कहा गया है कि अलकायदा अब बिखरे हुए छोटे आतंकी संगठन की बजाय एक क्षेत्रीय आतंकी नेटवर्क के रूप में विकसित हो चुका है। संगठन ने अपना लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल नेटवर्क तैयार कर लिया है और अब बड़े समूहों के बजाय छोटे-छोटे, अलग-अलग सेल के जरिए काम कर रहा है।

रासायनिक और जैविक हथियार बनाने की कोशिश

रिपोर्ट में कहा गया है कि अलकायदा और इस्लामिक स्टेट लंबे समय से ऐसे जहरीले रासायनिक और जैविक हथियार बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिनसे बड़ी संख्या में लोगों को नुकसान पहुंचाया जा सके। हालांकि, अब तक वे इसमें पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हैं, क्योंकि ऐसे हथियार बनाना बेहद मुश्किल काम है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन आतंकी संगठनों से जुड़े ऑनलाइन नेटवर्क पर अब भी ऐसे जहरीले पदार्थ बनाने के तरीके और जानकारी साझा की जा रही है। फरवरी में अंग्रेजी पत्रिका इनवेड में बोटुलिनम टॉक्सिन और साइनाइड जैसे जहरीले पदार्थ तैयार करने से जुड़े निर्देश प्रकाशित किए गए थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पिछले 12 महीनों के दौरान अपने नेटवर्क को बढ़ाया है।

पूर्व डिप्टी सीएम पर नांदेड़ में हमला

नांदेड़ (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व डेप्युटी सुखबीर सिंह बादल पर नांदेड़ में जानलेवा हमला हुआ है। उन पर हमला सचखंड गुरुद्वार के पास हुआ है। इसमें उनके एक सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। मौके पर सुरक्षा बल के जवान पहुंच गए हैं। अभी हमले की वजह सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि सुखबीर सिंह बादल को अस्पताल ले जाया गया है। साथ ही उनके घायल सुरक्षाकर्मी को भी ले जाया गया गया है। महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल पर हमला हुआ। निहंगों के हमले में घायल अकाली नेता को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। सुखबीर बादल परिवार के साथ नांदेड़ में माता साहेब गुरुद्वारा दर्शन के लिए गए थे। बताया जा रहा है कि उन पर चाकू से हमला हुआ है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है।

बांग्लादेश की छाती के पास से दौड़ेगी भारतीय रेल

चिकन नेक कॉरिडोर से चौथी रेलवे लाइन को भी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण पूर्वी भारत के चिकन नेक कॉरिडोर से होकर चौथी रेलवे लाइन को भी मंजूरी दे दी है। चिकन नेक या सिलीगुड़ी कॉरिडोर पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला एकमात्र जमीनी रास्ता है। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के जनरल मैनेजर चेतन कुमार श्रीवास्तव ने बिहार के कटिहार में इस बात की अहमियत दी कि मालदा-न्यू

जलपाईगुड़ी सेक्शन पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी भाग से जोड़ने वाला इकलौता और महत्वपूर्ण हिस्सा है। बुधवार रात को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जीएम ने कहा, इस सेक्शन (चिकन नेक कॉरिडोर) के लिए पहले तीसरी लाइन के लिए प्रस्ताव था, लेकिन अब चौथी लाइन भी मंजूर हुई है।

कटिहार डिवीजन के लिए रेलवे की कई घोषणाएं

कटिहार डिविजन के बारे में उनका कहना है कि 42 नई ट्रेनें शुरू की गई हैं और यात्रियों की सुविधा के लिए करीब 250 नए स्टॉपेज बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के जो विकास का काम चल रहा है, वह 2027 के अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा। उनके अनुसार, जोगबनी, राधिकापुर और बालुरघाट से नई लोकल ट्रेन सेवाएं जल्द शुरू करने की कोशिशें भी जारी हैं। इससे सीमावर्ती और दूर-दराज इलाकों से कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

चिकन नेक कॉरिडोर में रेलवे कई प्रोजेक्ट पर काम

सिलीगुड़ी कॉरिडोर की रणनीतिक अहमियत को देखते हुए रेलवे ने हाल के समय में यहां अपनी क्षमता में विस्तार के लिए लगातार ने कदम उठा रहा है। चेतन कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद इलाके में रेलवे नेटवर्क का कायाकल्प हो जाएगा। उन्होंने बताया कि बारसोई सेक्शन में भी दोहरीकरण काम तेजी से चल रहा है। चिकन नेक कॉरिडोर या सिलीगुड़ी कॉरिडोरकरीब 20 से 22 किलो मीटर चौड़ी भूमि है, जो उत्तर बंगाल में करीब 60 किलो मीटर लंबा है और पूर्वोत्तर भारत को बाकी देश से जोड़ता है। यह कॉरिडोर देश की सुरक्षा के लिहाज से बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण है, जो बांग्लादेश से सटा हुआ इलाका है। हाल के दिनों में तनाव बढ़ा है।

आखिरी दिन लोकसभा एक मिनट, राज्यसभा 1 घंटे चली

संसद का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए हुआ स्थगित

मोदी-शाह और राहुल सदन में मौजूद रहे, विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 1 मिनट चली, जबकि राज्यसभा करीब 1 घंटे चली। लोकसभा में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पूरी कैबिनेट और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद रहे। स्पीकर ओम बिड़ला ने वंदे मातरम गान के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। वहीं, राज्यसभा में आखिरी दिन एमएमडीआर संशोधन बिल पास हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनके कार्यक्रम के बाद शुद्धिकरण का मुद्दा उठाया।

मानसून सत्र में 12 नए बिल पेश, 11 दोनों सदनों में पास

2026 के मानसून सत्र में कुल 12 नए बिल पेश किए गए। इनमें 10 लोकसभा और 2 राज्यसभा में पेश हुए। लोकसभा में आए बिल टैक्स, बैंकिंग, खनन, ट्रिब्यूनल, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, परीक्षा में नकल रोकने, केरल का नाम बदलने और सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या जैसे मुद्दों से जुड़े हैं। माइंस एंड मिनरल्स संशोधन बिल के राज्यसभा से पास होने के बाद अब 12 में से 11 बिल दोनों सदनों से पास हो चुके हैं। केवल भारतीय सांख्यिकी संस्थान बिल अभी दोनों सदनों से पास नहीं हुआ है।

टाटा संस में चंद्रशेखरन की जगह ले सकते हैं नरेंद्रन

● चेयरमैन की रेस में टाटा स्टील के एमडी सबसे आगे

मुंबई (एजेंसी)। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के अचानक इस्तीफे के बाद नए उत्तराधिकारी की तलाश शुरू हो गई है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने आज 13 अगस्त को एक प्रस्ताव पास कर 5 सदस्यीय सिलेक्शन कमेटी गठित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पद की रेस में टाटा स्टील के मैनेजिंग डायरेक्टर टीवी नरेंद्रन का नाम सबसे आगे है।

आय से अधिक संपत्ति के आरोप की सीबीआई-ईडी जांच के निर्देश का है मामला

हाईकोर्ट के आदेश को राहुल गांधी ने दी 'सुप्रीम' चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोपों की जांच के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दिए गए निर्देशों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राहुल गांधी ने मामले को इलाहाबाद हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट स्थानांतरित करने की मांग करते हुए अलग से ट्रांसफर याचिका भी दाखिल की है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ इन पर 17 अगस्त को सुनवाई करेगी।

सीबीआई की रिपोर्ट पर हाईकोर्ट ने जताई थी नाराजगी

हाईकोर्ट ने दोनों केंद्रीय जांच एजेंसियों को मामले की प्रगति से अदालत को अवगत कराने का निर्देश दिया था। इसके बाद 20 जुलाई को हुई सुनवाई में अदालत ने सीबीआई के हलफनामे पर असंतोष जताया और कहा कि यह उसके पहले दिए गए निर्देशों के अनुरूप नहीं है। दूसरी ओर, अदालत ने कहा कि ईडी ने आवश्यक कदम उठाए हैं। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि जांच के दौरान यदि ईडी को कोई सूचना प्राप्त होती है तो वह कार्रवाई करती है।

सुप्रीम कोर्ट से मामले को दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग

राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेशों को चुनौती देने के साथ-साथ अलग ट्रांसफर याचिका भी दाखिल की है। इसमें उन्होंने मामले को इलाहाबाद हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है। अब सुप्रीम कोर्ट के सामने मुख्य सवाल यह होगा कि शिकायत के आधार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों को आरोपों के सत्यापन के लिए दिए गए हाईकोर्ट के निर्देशों की कानूनी वैधता क्या है देखा जाएगा।

काशी में घाट डूबे, अंतिम संस्कार के लिए घंटों इंतजार

● उत्तराखंड में हादसा, देहरादून और टिहरी में लैंडस्लाइड ● 15 राज्यों में अगले 4 दिन भारी बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में सिस्टम बनने से बुधवार को 20 राज्यों में अच्छी बारिश हुई। अगले 4 दिनों तक मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत 15 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के बनारस में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल डूब गया है। घाट की ऊपरी सीढ़ियों पर चिताएं जलाई जा रही हैं। लोगों को 2 से 3 घंटे तक शव का अंतिम संस्कार कराने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। उन्नाव मे सड़क पर नाव चलानी पड़ी। राजस्थान के 5 से ज्यादा जिलों में बुधवार को तेज बारिश हुई। जयपुर में 4 घंटे से ज्यादा पानी बरसा। पानी से भरे गड्ढे के कारण बस पलट गई। बारिश और

पेड़ गिरने से शहर के ज्यादातर हिस्सों में ट्रैफिक जाम रहा। उधर, उत्तराखंड के देहरादून-मसूरी मार्ग पर लैंडस्लाइड के चलते मलबा सड़क पर आ गिरा। इससे दोनों ओर करीब 10 किमी लंबा जाम लग गया। राज्य के 9 जिलों में 67 सड़कें बंद हैं। मध्य प्रदेश के कई जिलों में लगातार चार दिनों से तेज बारिश हो रही है। हिमाचल प्रदेश में बारिश से 204 सड़कें बंद हैं।

एमपी के शिवपुरी-श्योपुर में तेज बारिश

मध्य प्रदेश के पश्चिमी हिस्से को तरबतर करने के बाद अब मानसून का स्ट्रॉन्ग सिस्टम पूर्वी हिस्से में ऐक्टिव होगा। शुक्रवार से जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग के जिलों में 3 दिन भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इससे पहले गुरुवार को शिवपुरी-श्योपुर में तेज बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, 24 घंटे में इन दोनों जिलों में 4 इंच या इससे ज्यादा पानी गिर सकता है।

बाढ़ प्रभावित असम के लिए बंगाल से 10 करोड़ की मदद

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित असम के लिए 10 करोड़ रुपए की मदद का ऐलान किया है। यह राशि मुख्यमंत्री राहत कोष से दी जाएगी। असम में बाढ़ से अब तक 103 लोगों की मौत हो चुकी है और राहत-बचाव जारी है। असम सरकार राहत और पुनर्वास पर करीब 1,000 करोड़ रुपए खर्च करेगी। नुकसान का आंकलन मोबाइल ऐप से किया जा रहा है। अब तक 8,325 परिवारों का सर्वे हो चुका है और इसे 15 सितंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सीएम का बड़ा ऐलान

परिवार के सदस्य को मिलेगी सरकारी नौकरी और मदद

आरा (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने परिवार को आर्थिक सहायता और मुआवजा देने का ऐलान किया है। सीएम ने एक्स पर लिखते हुए बताया है कि परिवार को न्यायिक जांच आयोग के अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर परिवार को एक सरकारी नौकरी और आर्थिक मदद प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लिखा है कि न्यायिक जांच के अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर बिहार सरकार द्वारा दिवंगत भरत तिवारी के परिवार को आर्थिक सहायता एवं एक परिजन को सरकारी नौकरी प्रदान की जाएगी।

17 जून, 2026 को हुआ था एनकाउंटर

भरत तिवारी का भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में पुलिस ने एनकाउंटर किया था। भरत तिवारी को तीन गोली मारने की बात कही गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पांच गोली मारने की पुष्टि हुई। हंगामा और परिवार की मांग के बाद बिहार सरकार ने रिटायर्ड जस्टिस विनोद कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग का गठन किया। न्यायिक जांच आयोग के समझ भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी और उनकी माता आशा देवी का बयान दर्ज हो चुका है। आयोग के समक्ष भरत तिवारी के परिजनों और उनके भाई का भी बयान दर्ज हो चुका है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सत्तापक्ष-विपक्ष के गतिरोध में घिरा संसद का मानसून सत्र

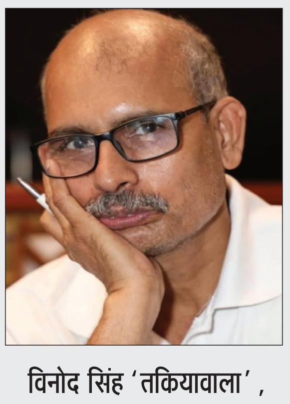

विनोद सिंह 'तकियावाला',

संसद का मानसून सत्र 2026 आज 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। 20 जुलाई से शुरू हुए इस सत्र की 25 दिनों की अवधि में कुल 19 बैठकें हुईं। लोकसभा में 11 और राज्यसभा में 2 विधेयक पुरःस्थापित किए गए।दोनों सदनों द्वारा कुल 12 विधेयक पारित किए गए।इसके बावजूद लोकसभा की उत्पादकता केवल 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही।

12 विधेयक पारित होने के बावजूद लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की करीब 39 प्रतिशत उत्पादकता ने संसदीय कार्यप्रणाली, कार्यसमय और करदाताओं के धन पर खड़े किए गंभीर सवाल...

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है।यही वह सर्वोच्च राष्ट्रीय मंच है जहाँ देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएँ, समस्याएँ, अपेक्षाएँ और भविष्य की नीतियाँ कानून का स्वरूप ग्रहण करती हैं।संसद केवल विधेयक पारित करने की संस्था नहीं है। यह सरकार की जवाबदेही तय करने,विपक्ष को अपनी बात रखने और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर सार्थक संवाद का संवैधानिक मंच है।

संसद का मानसून सत्र 2026 आज 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। 20 जुलाई से शुरू हुए इस सत्र की 25 दिनों की अवधि में कुल 19 बैठकें हुईं। लोकसभा में 11 और राज्यसभा में 2 विधेयक पुरःस्थापित किए गए।दोनों सदनों द्वारा कुल 12 विधेयक पारित किए गए।इसके बावजूद लोकसभा की उत्पादकता केवल 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही।

ये आँकड़े केवल संसदीय रिकॉर्ड नहीं हैं। इनके पीछे एक गंभीर सवाल है कि संसद को उपलब्ध कराए गए समय का कितना हिस्सा वास्तव में जनता के सवालों, कानून निर्माण और राष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक चर्चा में बदल पाया।संसद की कार्यवाही का प्रत्येक घंटा देश की जनता की अमानत है। प्रश्नकाल में सांसद सरकार से सवाल पूछते हैं।शून्यकाल में तत्काल जनहित के विषय उठाए जाते हैं। विधेयकों पर चर्चा होती है। सरकार की नीतियों की समीक्षा होती है।विभिन्न राज्यों और समाज के अलग-अलग वर्गों की समस्याएँ राष्ट्रीय मंच तक पहुँचती हैं।ऐसे में संसद का एक घंटा केवल समय नहीं है।वह लोकतांत्रिक जवाबदेही का एक घंटा है।लंबे समय से संसदीय व्यय के संबंध में प्रति मिनट लगभग ढाई लाख रुपये के सार्वजनिक खर्च का अनुमान सामने आता रहा है। इस हिसाब से संसद की कार्यवाही के एक घंटे पर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये और आठ घंटे के कार्यदिवस पर लगभग 12 करोड़ रुपये तक खर्च होने का अनुमान लगाया जाता है। इसमें सांसदों के वेतन और भत्ते, संसद सचिवालय,सुरक्षा,तकनीकी व्यवस्था,अनुवाद,प्रसारण, बिजली, रखरखाव और कर्मचारियों से संबंधित खर्च शामिल हैं।संसद चले या न चले,इन व्यवस्थाओं पर होने वाला अधिकांश खर्च जारी रहता है। इसलिए जब सदन हंगामे और स्थगन की वजह से बाधित होता है तो नुकसान केवल समय का नहीं होता। जनता के धन और लोकतांत्रिक अवसर दोनों प्रभावित होते हैं।संसदीय गतिरोध की समस्या नई नहीं है। पिछले वर्षों में भी कई सत्रों में व्यवधान के कारण निर्धारित कार्यसमय का बड़ा हिस्सा नष्ट हुआ है।वर्ष 2025 के मानसून सत्र में लोकसभा के लिए निर्धारित 120 घंटों में लगभग 37 घंटे ही बैठक हो सकी थी। इससे स्पष्ट है कि संसदीय समय का सदुपयोग लगातार चिंता का विषय बना हुआ है।मानसून सत्र 2026 में भी कम उत्पादकता का आँकड़ा सामने है।

लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत उत्पादकता बताती है कि उपलब्ध संसदीय समय का बड़ा हिस्सा अपेक्षित कार्य में नहीं बदल सका।फिर भी इस सत्र को पूरी तरह निष्फल कहना उचित नहीं होगा। दोनों सदनों ने 12 विधेयक पारित किए।लोक परीक्षा प्रणाली में अनुचित साधनों की रोकथाम को मजबूत करने वाला संशोधन युवाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है।परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता युवाओं के भविष्य और व्यवस्था के प्रति उनके विश्वास दोनों के लिए आवश्यक है।जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण में संशोधन प्रशासनिक अभिलेखों की विश्वसनीयता से जुड़ा है। बैंककार बही साक्ष्य विधेयक डिजिटल युग की बैंकिंग व्यवस्था के अनुरूप कानूनी ढाँचे को आधुनिक बनाने का प्रयास है। सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम विकास संशोधन विधेयक छोटे कारोबारियों और उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण है। वित्त तक पहुँच आसान करना और विलंबित भुगतान से जुड़े विवादों का शीघ्र समाधान टरटए क्षेत्र को मजबूती दे सकता है।

अधिकरण सुधार विधेयक न्यायिक और प्रशासनिक व्यवस्था की दक्षता से जुड़ा है। खान और खनिज क्षेत्र से संबंधित संशोधन देश की आर्थिक आवश्यकताओं और आत्मनिर्भर भारत की दिशा से जुड़े हैं। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम से संबंधित संशोधन सहकारी क्षेत्र को अधिक सक्षम बनाने का प्रयास है।वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण देने वाला प्रावधान राष्ट्रीय भावना और स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृतियों से जुड़ा है। केरल का नाम बदलकर केरलम करने का प्रस्ताव संवैधानिक प्रक्रिया और क्षेत्रीय पहचान का विषय है। विदेशी अभिदाय विनियमन संशोधन विधेयक को संयुक्त समिति को भेजा जाना इस बात का उदाहरण है कि जटिल विषयों पर विस्तृत विचार के लिए संसदीय समिति व्यवस्था का उपयोग किया जा सकता है।

इन उपलब्धियों के बावजूद एक सवाल अपनी जगह कायम है। क्या विधेयक पारित होना ही संसद की सफलता का पर्याप्त मापदंड है?कानून बनाना संसदीय प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उसके साथ उस कानून पर पर्याप्त बहस भी उतनी ही आवश्यक है। विधेयक के प्रावधानों पर सरकार का पक्ष सामने आए।विपक्ष अपने सुझाव और आपत्तियाँ रखे। विशेषज्ञों की राय ली जाए। आवश्यक संशोधन हों। तभी कानून निर्माण की प्रक्रिया अधिक व्यापक और प्रभावी बन सकती है।लोकतंत्र में विरोध आवश्यक है। विपक्ष का काम सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना है। जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाना है।सरकार का दायित्व है कि वह विपक्ष की आवाज सुने और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा का अवसर दे।परन्तु विरोध और व्यवधान में अंतर है।विरोध लोकतंत्र को मजबूत करता है। लगातार व्यवधान लोकतंत्र की कार्यक्षमता को कमजोर करता है।यदि प्रश्नकाल बाधित होता है तो जनता के सवालों के उत्तर नहीं मिलते। शून्यकाल बाधित होता है तो तत्काल जनहित के मुद्दे सदन तक नहीं पहुँच पाते।विधेयकों पर पर्याप्त चर्चा नहीं होती तो कानून निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्न उठता है।यह भी उचित नहीं होगा कि हर व्यवधान के लिए केवल विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया जाए।सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों संसद की गरिमा और कार्यवाही के लिए समान रूप से उत्तरदायी हैं। विपक्ष को अपनी आवाज उठाने का अधिकार है।सरकार को जवाब देने का दायित्व है।दोनों के बीच संवाद का रास्ता खुला रहना चाहिए।संसद किसी राजनीतिक दल का मंच नहीं है।यह पूरे राष्ट्र की संस्था है।आज भारत विकास के महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है।रेल,सड़क,रक्षा, डिजिटल अर्थव्यवस्था,अंतरिक्ष, हरित ऊर्जा,कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विनिर्माण और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में बड़े बदलाव हो रहे हैं।ऐसे समय में संसद का प्रत्येक कार्यदिवस राष्ट्रीय महत्व रखता है।किसान अपनी समस्याओं का समाधान चाहता है।युवा रोजगार और परीक्षा व्यवस्था पर जवाब चाहता है।छोटे कारोबारी वित्त और कारोबार की कठिनाइयों पर चर्चा चाहते हैं।आम नागरिक शिक्षा, स्वास्थ्य,महँगाई,सुरक्षा और विकास से जुड़े प्रश्नों पर सरकार से जवाब चाहता है।

इन सभी सवालों का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक मंच संसद है। करदाता भी यह जानना चाहता है कि संसद के संचालन पर खर्च होने वाला उसका पैसा किस प्रकार जनहित में परिवर्तित हो रहा है। इसलिए संसदीय उत्पादकता केवल एक प्रशासनिक आँकड़ा नहीं है।यह जनता के प्रति लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का भी पैमाना है।

संसदीय गतिरोध की कीमत केवल रुपये में नहीं आँकी जा सकती। सबसे बड़ी कीमत लोकतांत्रिक विश्वास की होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनती है कि वे उसकी आवाज संसद में उठाएँ। यदि वही संसद बार-बार हंगामे और स्थगन की तस्वीर प्रस्तुत करे तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जनता को मिला प्रतिनिधित्व किस सीमा तक प्रभावी हो पाया।

सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत केवल कानून पारित करने की शक्ति नहीं है। बहुमत के साथ संवाद और जवाबदेही की जिम्मेदारी भी आती है। विपक्ष को भी समझना होगा कि प्रभावी विरोध का अर्थ सदन को लगातार रोकना नहीं है।तीखी बहस हो सकती है। सरकार से कठोर प्रश्न पूछे जा सकते हैं।जनहित के मुद्दों पर दबाव बनाया जा सकता है। किंतु संसद की पूरी कार्यवाही को बाधित करना लोकतांत्रिक उद्देश्य को कमजोर करता है।

आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों राजनीतिक लचीलेपन का परिचय दें।महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषयों पर सर्वदलीय संवाद को मजबूत किया जाए।संसदीय समितियों की भूमिका बढ़ाई जाए।प्रश्नकाल और शून्यकाल को अधिक प्रभावी ढंग से संरक्षित किया जाए।संसदीय आचार और मयार्दा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।मानसून सत्र 2026 अपने साथ 12 विधेयकों के पारित होने की उपलब्धि लेकर समाप्त हुआ है। साथ ही लोकसभा की 19 प्रतिशत और राज्यसभा की करीब 39 प्रतिशत उत्पादकता का आँकड़ा भी छोड़ गया है।यह आँकड़ा सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए आत्ममंथन का अवसर है।संसद में मतभेद रहें।राजनीतिक संघर्ष रहे। सरकार से सवाल पूछे जाएँ।विपक्ष की आलोचना हो। लेकिन संवाद का रास्ता बंद नहीं होना चाहिए।संसद चलेगी तो सवाल उठेंगे।सवाल उठेंगे तो जवाब माँगे जाएँगे।जवाब मिलेंगे तो जवाबदेही तय होगी।जवाबदेही तय होगी तो बेहतर कानून बनेंगे। बेहतर कानून बनेंगे तो देश की विकास यात्रा को नई गति मिलेगी।अंततः संसद किसी सरकार की नहीं है।संसद किसी विपक्ष की नहीं है। संसद पूरे भारत की है। वहाँ व्यतीत होने वाला प्रत्येक मिनट जनता की अमानत है।वहाँ होने वाली प्रत्येक सार्थक बहस लोकतंत्र की पूँजी है।संसद का प्रत्येक मिनट जनता की गाढ़ी कमाई से जुड़ा है। इसलिए सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का दायित्व है कि राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर संसद की गरिमा,लोकतांत्रिक परंपराओं और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का निर्वहन करें।

लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता पक्ष की जीत या विपक्ष की हार में नहीं है। लोकतंत्र की विजय तब होगी जब संसद चलेगी, संवाद होगा,जनता के सवाल उठेंगे, सरकार जवाब देगी और देशहित में निर्णय होंगे।

संपादकीय

नशा विरोधी अभिनव पहल

यह एक हकीकत है कि बच्चों को जितना अभिभावक और शिक्षक समझ सकते हैं, उतना दूसरा कोई नहीं। वे बच्चों के असामान्य व्यवहार की निगरानी करके उन्हें बुरी आदतों से बचा भी सकते हैं। शायद यही सोचकर पंजाब सरकार ने राज्य के 12 जिलों में 21,850 स्कूल टीचरों को छात्रों को नशीली दवाओं की लत से दूर रखने के लिये प्रशिक्षण देने का फैसला लिया है। ये शिक्षक प्रशिक्षण के बाद छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं और भावनात्मक परेशानी के शुरूआती लक्षणों की पहचान कर सकेंगे। निश्चय ही यह एक स्वागतयोग्य पहल है। यह इसलिए भी जरूरी है कि बच्चों के मनोवैज्ञानिक विश्लेषण से उन्हें नशे की गिरफ्त में आने से पहले ही बचाया जा सकेगा। यह बेहतर स्थिति है कि नशे की लत का शिकार होने के बाद उपचार के बजाय उन्हें पहले ही नशे से दूर रहने को प्रेरित किया जाए। दरअसल, पंजाब सरकार के ह्ययुद्ध नशियां विरुद्धह्ल अभियान के तरह शुरू किया गया यह कार्यक्रम प्रिंसिपल और हेडमास्टरों की पिछली ट्रेनिंग तथा अमृतसर में 2,800 से ज्यादा टीचरों को शामिल करने वाले एक पायलट प्रोजेक्ट का हिस्सा है। दरअसल,इस अभियान की सबसे बड़ी खूबी है कि यह नशा-विरोधी अभियान का फोकस नशे की लत लगने के बाद प्रतिक्रिया देने से हटाकर, उसे रोकने की ओर ले जाता है। निस्संदेह, शिक्षक एक अभिभावक जैसी भूमिका में होते हैं, जो बच्चे के व्यवहार, स्कूल में उपस्थिति, पढ़ाई-लिखाई के प्रदर्शन, दोस्ती या भावनात्मक स्थिति में बदलाव को बेहतर ढंग से महसूस कर सकते हैं। दरअसल, शिक्षक कक्षा में छात्र की चुप्पी और क्लास में होते हुए भी वहां न होने जैसे संवेदनशील बदलावों को भांप सकते हैं। लेकिन बच्चों की संवेदनशीलता को देखते हुए शिक्षकों को अनाड़ी जांचकर्ता या काउंसलर बनने से बचना होगा। निर्विवाद रूप से किसी बच्चे का क्लास में चुप-चुप रहना, नंबर कम आना या व्यवहार में बदलाव आना हमेशा नशे से जुड़े कारण से नहीं हो सकता। उससे जुड़े अन्य कारकों पर भी विचार किया जाना जरूरी होता है। दरअसल, इस जटिल समस्या के समाधान के लिये शिक्षकों को संवेदनशील व्यवहार के लिये प्रेरित किया जाना चाहिए। शिक्षकों को बिना किसी पूर्वाग्रह के देखने, सुनने, बातचीत करने तथा छात्रों को योग्य पेशेवरों के पास भेजने के लिये प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। वास्तव में इस संवेदनशील समस्या का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कि किसी बच्चे में नशे की ओर उन्मुख होने और उसकी जल्दी पहचान होने पर उसे जल्दी मदद मिल सके। पर ऐसा न हो कि शिक्षक उत्साह में उसकी पहचान उजागर कर दें और उसकी जल्दी बदनामी हो जाए। ऐसा बच्चा कुंठा व हताशा में गलत राह में भटक सकता है। ऐसे में इस अभियान का मानसिक स्वास्थ्य वाला हिस्सा विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। यह एक हकीकत है कि युवाओं में नशीले पदार्थों के गलत इस्तेमाल की समस्या को सिर्फ चेतावनी तथा नैतिक उपदेश देकर दूर नहीं किया जा सकता है। वास्तव में भावनात्मक परेशानी, पारिवारिक समस्याएं, दोस्तों का दबाव, अकेलापन और पढ़ाई का तनाव आदि सभी चीजें बच्चों को जोखिम में डाल सकती हैं। इसलिए स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम के साथ ही काउंसलिंग और रेफरल की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर सरकार को भी सिर्फ प्रशिक्षित किए गए शिक्षकों की संख्या के आधार पर सफलता को नहीं मापना चाहिए। दरअसल, उसे यह भी देखना चाहिए कि कितने कमजोर या जोखिम वाले छात्रों की पहचान की गई है। साथ ही उन्हें कहां भेजा गया है। क्या उनकी काउंसलिंग की गई है? क्या बाद में उनका फॉलो-अप किया गया है? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि शिक्षकों पर पढ़ाई के अलावा कई तरह के सरकारी कार्यक्रमों के लिये समय देने का दबाव होता है। ऐसे में सावधानी रखनी बेहद जरूरी है कि तमाम प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच ड्रग्स के खिलाफ प्रशिक्षण सिर्फ खानापूर्ति के लिये कागजी कार्रवाई बनकर न रह जाए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि इस कार्यक्रम को क्लासरूम से आगे लेकर जाना चाहिए। जिसमें माता-पिता, काउंसलर, हेल्थ प्रोफेशनल और सामाजिक समूहों को एकजुट होकर जोखिम वाले बच्चों के लिये एक सपोर्ट नेटवर्क तैयार करना चाहिए।

तिरंगा : भारत की आन, बान और शान

हर्षवर्धन पान्डे

किसी भी देश का राष्ट्र ध्वज उसके स्वतंत्र होने का संकेत है। भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा केवल एक कपड़े या कागज का टुकड़ा नहीं है बल्कि यह भारत की आत्मा, इतिहास और संस्कृति का प्रतीक है। इसके तीन रंग केसरिया, सफेद, हरा और मध्य में अशोक चक्र भारतीयता के विभिन्न आयामों को दशार्ते हैं। तिरंगा न केवल स्वतंत्रता संग्राम की गाथा को बतलाता है, बल्कि यह भारत की एकता, विविधता और आकांक्षाओं का भी प्रतीक है। तिरंगे ने अपने रंगों से दुनिया में अपनी अद्वितीय छवि बनाई है। राष्ट्रीय ध्वज के लिए हथकरघा खादी (सूती या रेशमी) कपड़ा इस्तेमाल किया जाता है। तिरंगे झंडे में नीले रंग का अशोक चक्र धर्म तथा ईमानदारी के मार्ग पर चलकर देश को उन्नति की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है।

तिरंगे का केसरिया रंग साहस, बलिदान और त्याग का प्रतीक है। यह उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। भारतीयता का यह पहलू हमें निःस्वार्थ भाव से देश के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देता है। इसी तरह से सफेद रंग शांति और सत्य का प्रतीक यह रंग भारत की अहिंसावादी विचारधारा को रेखांकित करता है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में अहिंसा और सत्याग्रह ने न केवल भारत को स्वतंत्रता दिलाई, बल्कि विश्व को शांति का संदेश भी दिया। यह रंग भारतीयता की उस भावना को दशार्ता है जो सहिष्णुता और सामंजस्य में विश्वास रखती है। हरा रंग समृद्धि, उर्वरता और प्रकृति के प्रति भारत की गहरी आस्था को दशार्ता है। भारत की संस्कृति में प्रकृति और पर्यावरण का विशेष स्थान रहा है। यह रंग हमें सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देता है। मध्य में नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता और प्रगति का प्रतीक है। यह सम्राट अशोक के धर्म चक्र से प्रेरित है जो न्याय, धर्म और नैतिकता का प्रतीक है। यह चक्र भारतीयता के उस दर्शन को दशार्ता है जो निरंतर प्रगति और नैतिकता के मार्ग पर चलने को प्रेरित करता है। भारतीयता एक ऐसी अवधारणा है जो भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विविधता को समेटे हुए है। तिरंगा इस भारतीयता का एक जीवंत प्रतीक है।

भारत विभिन्न धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। तिरंगा इस विविधता को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करता है। जैसे तिरंगे के तीन रंग एक साथ मिलकर एक पूर्ण ध्वज बनाते हैं वैसे ही भारत की विभिन्न संस्कृतियाँ और समुदाय एक साथ मिलकर भारतीयता का निर्माण करते हैं। यह ध्वज हमें सिखाता है कि भिन्नताओं के बावजूद हम एक हैं। तिरंगा स्वतंत्रता संग्राम का साक्षी रहा है। यह उन असंख्य बलिदानों का प्रतीक है जिन्होंने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्ति दिलाई। भारतीयता का यह पहलू हमें स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की भावना से जोड़ता है। तिरंगा हमें याद दिलाता है कि हमारी स्वतंत्रता अनमोल है और इसे बनाए रखने के लिए हमें सतत प्रयास करना होगा।

भारतीय इतिहास में 1905 से पहले पूरे भारत की अखंडता को दशार्ने के लिए कोई राष्ट्र ध्वज नहीं था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1905 में स्वामी विवेकानंद की शिष्य सिस्टर निवेदिता ने पहली बार पूरे भारत के लिए एक राष्ट्रीय ध्वज की कल्पना की थी। सिस्टर निवेदिता द्वारा बनाए गए ध्वज में कुल 108 ज्योतियाँ बनाई गई थी। यह ध्वज चौकोर आकार का था। ध्वज के दो रंग थे- लाल और पीला। लाल रंग स्वतंत्रता संग्राम और पीला रंग विजय का प्रतीक था। ध्वज पर बंगाली भाषा में वंदे-मातरम् लिखा गया था और इसके पास वज्र (एक प्रकार का हथियार) और केन्द्र में एक सफेद कमल का चित्र भी था। वर्तमान में इस ध्वज को आचार्य भवन संग्रहालय, कोलकाता में संरक्षित रखा गया है। इसके बाद 7 अगस्त 1906 को कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) के पारसी बागान चौक में ध्वज को फहराया गया। कोलकाता ध्वज प्रथम भारतीय अनाधिकारिक ध्वज था। इसकी अभिकल्पना शचिन्द्र प्रसाद बोस ने की थी। झंडे में बराबर चौड़ाई की तीन क्षैतिज पट्टियाँ थीं। शीर्ष धारी नारंगी, केंद्र धारी पीली और निचली पट्टी हरे रंग की थी। शीर्ष पट्टी पर ब्रिटिश-शासित भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते 8 आधे खुले कमल के फूल थे और निचली पट्टी पर बाईं तरफ सूर्य और दाईं तरफ एक वर्धमान चाँद की तस्वीर अंकित थी। ध्वज के केंद्र में वन्दे-मातरम् का नारा अंकित किया गया था। इसी तरह पहली बार विदेशी धरती पर भारतीय ध्वज मैडम भीकाजी कामा द्वारा 22 अगस्त 1907 को अंतर्राष्ट्रीय सोशलिस्ट कांग्रेस केस्टटगार्ट में फहराया गया था। इस ध्वज को सप्तर्षि झंडे' के नाम से जाना जाता है। यह ध्वज काफी कुछ वर्ष 1906 के झंडे जैसा ही था लेकिन इसमें सबसे ऊपरी पट्टी का रंग केसरिया था और कमल के बजाए सात तारे सप्तऋषि के प्रतीक थे।

भारतीय धरती पर तीसरे प्रकार का तिरंगा होम रूल लीग के दौरान फहराया गया था। 'होम रूल आंदोलन' के दौरान कोलकाता में एक कांग्रेस अधिवेशन के दौरान यह ध्वज फहराया गया था। उस समय ध्वज स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई का प्रतीक था। इसमें 9 पट्टियाँ थीं, जिसमें 5 लाल रंग और 4 हरे रंग की थी। ध्वज के ऊपरी बाएँ कोने में यूनियन जैक था। शीर्ष दाएँ कोने में अर्धचंद्र और सितारा था। ध्वज के बाकी हिस्सों में सप्तर्षि के स्वरूप में सात सितारों को व्यवस्थित किया गया था। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के पिंगले वेंकय्या ने बिजावाड़ा (अब विजयवाड़ा) में गांधीजी के निर्देशों के अनुसार सफेद,हरे और लाल रंग में पहला चरखा-झंडा डिजाइन किया था। इस ध्वज को स्वराज-झंडे के नाम से जाना जाता है। वर्ष 1931 ध्वज के इतिहास में एक यादगार वर्ष है। इस वर्ष तिरंगे ध्वज को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। यह ध्वज जो वर्तमान स्वरूप का पूर्वज है, केसरिया, सफेद और मध्य में गांधी जी के चलते हुए चरखे के साथ था।

ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत को स्वतंत्र करने की घोषणा के बाद भारतीय नेताओं को स्वतंत्र भारत के लिए राष्ट्रीय ध्वज की आवश्यकता का एहसास हुआ। तदनुसार ध्वज को अंतिम रूप देने के लिए एक तदर्थ ध्वज समिति का गठन किया गया। सुरैया बद्र-उद-दीन तैयब द्वारा प्रस्तुत स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के डिजाइन को 17 जुलाई 1947 को ध्वज समिति द्वारा अनुमोदित और स्वीकार किया गया था। समिति की सिफारिश पर 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने तिरंगे को स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया। तिरंगे में तीन समान चौड़ाई की क्षैतिज पट्टियाँ हैं जिनमें सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी जो देश की ताकत और साहस को दशार्ती है। बीच में श्वेत पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का संकेत है और नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी देश के विकास और उर्वरता को दशार्ती है। तिरंगे के केंद्र में सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का अशोक चक्र है जिसमें 24 तीलियाँ होती हैं। यह चक्र एक दिन के 24 घंटों और हमारे देश की निरंतर प्रगति को दशार्ता है। तिरंगे को भारत की महिलाओं की ओर से 14 अगस्त, 1947 को संविधान सभा के अर्द्ध-रात्रिकालीन अधिवेशन में समर्पित किया गया था।

भारत ने राष्ट्रीय चिन्ह को 26 जनवरी, 1950 को अपनाया था। भारत के तिरंगे झंडे के ध्वज की लंबाई और चौड़ाई का अनुपात 2:3 है। भारत का राज चिन्ह अशोक स्तम्भ के शीर्ष की एक प्रतिकृति है जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है। अशोक स्तम्भ तीन शेरों की आकृति जिसके नीचे एक चौखट के बीच में एक धर्म चक्र है। इस चक्र के दाई ओर एक बैल और बाई ओर एक अश्व है। चौखट के आधार पर 'सत्यमेव जयते' शब्द अंकित है। भारत के राजचिन्ह में तीन प्रकारे के छः जानवर हैं-शेर (चार), बैल (एक), अश्व (एक) भारत का यह चिन्ह भारत की एकता का घोतक है। राष्ट्रीय चिन्ह के दो भाग शीर्ष और आधार हैं। शीर्ष पर शेर साहस और शक्ति का प्रतीक है। राष्ट्रीय चिन्ह के आधार भाग में एक धर्म चक्र है। चक्र के दायीं ओर एक बैल है तथा बायीं ओर एक घोड़ा है जो स्फूर्ति का ताकत व गति का। 'सत्यमेव जयते' मुंडकोपनिषद से लिया गया है। 'सत्यमेव जयते' का अर्थ सत्य की ही विजय है। भारत के तिरंगे झंडे में चरखे की जगह 'चक्र' 1947 को अस्तित्व में आया। 26 जनवरी 2002 से फ्लैग कोड बदल गया है। भारतीयों को कहीं भी किसी भी समय गर्व के साथ झंडा फहराने की आजादी दे दी गयी है। अभी कुछ समय पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 19 ए अनुच्छेद के तहत ध्वज फहराने के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में घोषित किया था जिसके बाद देश में भारतीय ध्वज को दिन -रात फहराने की अनुमति दे दी गई है।

15 अगस्त 1947 आजाद भारत के इतिहास का ऐतिहासिक दिन था जब अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति पाकर भारत में नई सुबह हुई थी। स्वतंत्रता मिलने के बाद पहली बार देशवासियों ने खुली हवा में साँस ली और देश प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ। आजादी के बाद से देश के कई प्रधानमंत्रियों और सरकारों को

देखा है लेकिन इस अमृतकाल में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के हर-घर तिरंगा जन अभियानों के माध्यम से देश के प्रति जोश, जज्बा और प्रबल हुआ है। किसी भी देशवासी के लिए भारत और भारतीयता का भाव पहले होना चाहिए। यह मुहिम जाति ,धर्म,संप्रदाय से परे है और देश को इस अमृत काल में एकता के सूत्र में बांध सकती है। नागरिकों में देश प्रेम की भावना जगाने और संकीर्णता से बाहर निकालने का यही अमृतकाल है।

आज के समय में तिरंगा केवल एक राष्ट्रीय प्रतीक ही नहीं बल्कि भारत की आकांक्षाओं और सपनों का दर्पण भी है। यह हमें आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल भारत और विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। हर घर तिरंगा जैसे अभियान भारतीयों को अपने ध्वज के प्रति गर्व और सम्मान की भावना को और गहरा करने का अवसर प्रदान करते हैं। तिरंगा झंडा भारत और भारतीयता का एक ऐसा प्रतीक है जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और भविष्य की ओर प्रेरित करता है। इसके रंग और चक्र हमें साहस, शांति, समृद्धि और प्रगति के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देते हैं। यह ध्वज हमें याद दिलाता है कि भारतीयता का अर्थ है विविधता में एकता, स्वाभिमान में साहस और शांति में प्रगति। तिरंगे के अक्स में हमारा भारत और हमारी भारतीयता न केवल जीवंत है बल्कि विश्व मंच पर एक प्रेरणा स्त्रोत के रूप में भी उभर रही है।

देश के प्रत्येक नागरिक को आजादी के इस अमृतकाल में इस पावन महायज्ञ में आहूति देकर पुण्य का भागीदार बनना चाहिए। तिरंगे को देखकर हर भारतीय के दिलों में राष्ट्रप्रेम की भावना उमड़ पड़ती है। राष्ट्र ध्वज देखकर उसके प्रति आदर भाव खुद ही जग जाता है। तिरंगा साहस, त्याग, बलिदान के रंगों से सरोबार है। तिरंगे को सम्मान देते हुए आज हर देशवासी का कर्तव्य है इस अमृतकाल में अपने घरों में तिरंगा लहराकर वह इस उत्सव को ऐतिहासिक बनाए। आजादी के रणबांकुरों ने अपने शौर्य से जिस प्रकार देश के लिए तन- मन न्यौछावर कर दिया उसी प्रकार तिरंगा झंडा लहराकर हमें भारतबोध का अहसास होगा जो शहीदों को अमृत काल में सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली ।

अंतराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतें गिरी हैं। आज सोने और चांदी के वायदा भाव की तेज शुरुआत हुई इसके बाद भी इन दोनो कीमती धातुओं में कमजोरी आई है। कॉमेक्स पर सोना 4,465 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 65.60 डॉलर प्रति औंस के करीब कामकाज कर रहा है। वहीं घरेलू बजार में सोने के वायदा भाव 1,54,700 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,37,800 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध 189 रुपये उछलकर 1,55,071 रुपये की कीमत पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,54,882 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 170 रुपये नीचे आकर 1,54,712 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,55,145 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,54,694 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर अनुबंध 165 रुपये की तेजी के साथ 2,38,000 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,37,835 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 1,010 रुपये टूटकर 2,36,825 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,38,000 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,37,300 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में कमजोरी रही। कॉमेक्स पर सोना 4,468.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव प्राइस 4,467.50 डॉलर प्रति औंस था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। वहीं कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 65.45 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 65.70 डॉलर था।

शेयर बाजार सपाट बंद

सेंसेक्स 113 अंक उछला, निफ्टी 40 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली होने से बाजार पर ये दबाव आया। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर संशय से भी बाजार धारणा कमजोर हुई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 113.61 अंक बढ़कर 78,079.96 पर पहुंच गया, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 40.10 अंक नीचे अकर 24,395.85 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर 4545 शेयरों में बढ़त जबकि 2,198 शेयरों में गिरावट आई । वहीं 227 शेयरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया । निफ्टी के प्रमुख शेयरों में टाटा कंज्यूमर, टाटा मोटर्स , एनटीपीसी और श्रीराम फाइनेंस सबसे अधिक बढ़त वाले शेयर रहे

जबकि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, ग्रासिम और पावर ग्रिड के शेयर सबसे अधिक गिरे।

2027 में अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करेगी हीरो मोटोकार्प

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता हीरो मोटोकॉर्प कंपनी वर्ष 2027 में अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करेगी। कंपनी का ध्यान अभी तक मुख्य रूप से विडा इलेक्ट्रिक स्कूटर तक सीमित था, लेकिन अब वह इलेक्ट्रिक बाइक श्रेणी में प्रवेश कर रही है। हीरो मोटोकॉर्प कंपनी इसके लिए दो बिल्कुल नए बाइक-विशिष्ट प्लेटफॉर्म विकसित कर रही है, जिनके नाम यूबीईएक्स और वीएक्सजेड हैं। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ये नए प्लेटफॉर्म मौजूदा विडा स्कूटर के ढांचे पर आधारित नहीं होंगे, बल्कि इन्हें विशेष रूप से बाइक की बेहतर सवारी, प्रदर्शन और चढ़ाई की क्षमता को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। यूबीईएक्स प्लेटफॉर्म शहरी और स्पोर्टी बाइक के लिए होगा, जबकि वीएक्सजेड को ज्यादा दमदार और साहसिक यात्राओं के लिए विकसित किया जा रहा है। वीएक्सजेड परियोजना में हीरो मोटोकॉर्प अमेरिकी कंपनी ज़ीरो मोटरसाइकिल्स के साथ सहयोग कर रही है, जो इलेक्ट्रिक बाइक तकनीक में विशेषज्ञता रखती है।यह साझेदारी प्रदर्शन-केंद्रित इलेक्ट्रिक बाइक तैयार करने में मदद करेगी। कंपनी ने 2025 में ईआईसीएमए मोटरसाइकिल प्रदर्शनी में इन प्लेटफॉर्म्स के अवधारणा मॉडल भी प्रदर्शित किए थे।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरीं

मुम्बई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग कम होने से गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। आज ब्रेंट में करीब 1.5 फीसदी और डब्ल्यूटी आई क्रूड में 1.6 फीसदी की कमी आई। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर अनिश्चितता से भी ऊर्जा आपूर्ति में बाधा की भी आशंका बनी हुई है जिससे भी इसकी कीमतों में तेजी रही। जानकारों के अनुसार अब तक हालात सामान्य नहीं होंगे कीमतें कम नहीं होंगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड वायदा 1.29 डॉलर करीब 5 फीसदी फिसलकर 87.69 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.30 डॉलर तकरीबन 1.6 फीसदी नीचे आकर 81.97 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने भी इस साल क्रूड की खपत में 16 लाख बैरल प्रतिदिन की कमी आने का अनुमान जताया है। गौरतलब है कि अमेरिका और इजरायल के ईरान के साथ युद्ध की वजह से उर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है जिससे इसकी कीमतें बढ़ी हैं। इससे मांग पर असर पड़ा है।दूसरी ओर अमेरिका में कच्चे तेल का स्टॉक बढ़ने से भी कीमतों पर दबाव पड़ा। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के मुताबिक, एक्सपोर्ट घटने के कारण बीते हफ्ते कच्चे तेल के भंडार में जनवरी 2023 के बाद की सबसे बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई। अमेरिकी कच्चा तेल भंडार 1.74 करोड़ बैरल बढ़कर 42.44 करोड़ बैरल हो गया। यह 5 जून के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। गौरतलब है कि खाड़ी क्षेत्र में हालात सामान्य बनाने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच जारी बातचीत में कोई ठोस प्रगति नहीं होने से कच्चे तेल की कीमतें अब भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं।

भारत के तीन बड़े बिजनेस परिवारों का कारोबार 42 लाख करोड़ रुपए

रिलायंस के मुकेश अंबानी समेत केएम बिरला और जिंदल परिवार शामिल

नई दिल्ली, ।

भारत में अमीरों की तादाद बढ़ रही है और बिजनेस परिवारों का कारोबार लगातार विस्तार कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून 2026 तक भारत के तीन सबसे बड़े कारोबारी घरानों की कंबाइंड नेटवर्थ 42 ट्रिलियन या करीब 42 लाख करोड़ रुपए आंकी गई है। इनमें अरबपति मुकेश अंबानी, केएम बिरला और जिंदल परिवार शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी तीनों बिजनेस फैमिली की संयुक्त संपत्ति का ये आंकड़ा भारत में लिस्टेड बाजार पूंजीकरण के करीब 9फीसदी के बराबर है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले एक साल में इन टॉप-3 बिजनेस फैमिली की संपत्ति के मूल्य में 1.57 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई, जिसके चलते उनका संयुक्त मूल्यांकन 444 अरब डॉलर या 42 ट्रिलियन हो गया।

परिवारों की रैंकिंग में रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी की फैमिली 25.8 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ पहले नंबर पर हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर केएम बिरला परिवार है, जिनकी पारिवारिक संपत्ति 8.1 लाख करोड़ है। वहीं तीसरे नंबर पर 8 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ जिंदल फैमिली है। भारत में पारिवारिक स्वामित्व वाले व्यवसायों का दायरा टॉप तीन कंपनियों से कहीं ज्यादा बड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक टॉप-300 फैमिली बिजनेस का कंबाइंड वैल्यूएशन 138 ट्रिलियन रुपए आंका गया यानी करीब 1.46 ट्रिलियन डॉलर और ये आंकड़ा नीदरलैंड्स, स्विट्जरलैंड और पोलैंड समेत कई देशों की जीडीपी से भी ज्यादा है।

जून 2026 तक भारत के 10 सबसे मूल्यवान परिवारों की संयुक्त नेटवर्थ 70.5 लाख करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले 69 ट्रिलियन रुपए थी। इन टॉप-10 लिस्ट में शामिल होने की सीमा भी एक साल की अवधि में करीब 14फीसदी बढ़कर 2.5 लाख करोड़ हो गई, जो प्रमुख पारिवारिक व्यवसायों की वैल्यूएशन में तेज बढ़ोतरी को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक वेदांता ग्रुप का संचालन करने वाले अरबपति अनिल अग्रवाल परिवार ने रैंकिंग में सबसे बड़ी छलांग लगाई है। साल भर में इसके वैल्यूएशन में 74.7फीसदी की बढ़ोतरी के बाद यह तीन स्थान ऊपर चढ़कर अब टॉप-10 लिस्ट में छठे पायदान पर पहुंच गया है।

रिपोर्ट में पहली पीढ़ी के कारोबारी परिवारों में टॉप पर अडानी ग्रुप के गौतम अडानी फैमिली का दबदबा रहा। अडानी परिवार का नेटवर्थ 19.57 लाख करोड़ रुपए आंकी गई। उनके बाद भारतीय एयरटेल के सुनील भारती मित्तल फैमिली 12.1 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ है।

एवोर ने अपनी नई इलेक्ट्रिक बाइक श्रृंखला पेश की

नईदिल्ली ।

गुजरात की वाहन निर्माता कंपनी एवोर ने अपनी नई इलेक्ट्रिक बाइक श्रृंखला पेश की है, जिसमें ईएक्स1, ईएक्स2 और ईएक्स2एस जैसे तीन मॉडल शामिल हैं। एवोर की इस श्रृंखला का सबसे खास मॉडल ईएक्स2एस है, जिसके बारे में कंपनी का दावा है कि यह एक बार चार्ज होने पर 260 किलोमीटर तक की प्रभावशाली दूरी तय कर सकती है। इसमें 5 किलोवाट-घंटे क्षमता वाली बड़ी बैटरी और 114 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति मिलती है। ईएक्स2एस में आधुनिक 7 इंच की स्पर्श स्क्रीन और पांच अलग-अलग चलाने के तरीके भी दिए गए हैं, जिसकी शुरुआती कीमत 1.70 लाख रुपये है। श्रृंखला के शुरुआती मॉडल ईएक्स1 में 3.24 किलोवाट-घंटे की बैटरी के साथ 160 किलोमीटर की दूरी और 100 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति मिलती है, जिसकी कीमत 1.23 लाख रुपये है। वहीं, ईएक्स2 मॉडल 5 किलोवाट-घंटे की बैटरी के साथ 255 किलोमीटर की दूरी और 100 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति प्रदान करता है, जिसकी कीमत 1.46 लाख रुपये है। एवोर की ये लंबी दूरी वाली इलेक्ट्रिक बाइक ओला और एथर जैसी स्थापित कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ा सकती हैं, जो मुख्य रूप से स्कूटर बाजार में मजबूत हैं। कंपनी का यह कदम उन ग्राहकों को आकर्षित कर सकता है जो स्कूटर के बजाय मोटरसाइकिल जैसा अनुभव और लंबी दूरी चाहते हैं। कंपनी ने इन बाइक्स की अग्रिम बुकिंग केवल 799 रुपये में शुरू कर दी है, जिससे ग्राहकों के लिए यह एक आकर्षक विकल्प बन सकती है।

पीक सीजन से पहले कंपनियां 15-20 फीसदी अस्थायी कर्मचारियों की करेंगी भर्ती

सबसे ज्यादा मांग वेयरहाउस पिकर्स, पैकर्स और डार्क स्टोर कर्मचारियों की रहेगी

नई दिल्ली, ।

त्योहारी सीजन में संगठित रिटेल, ई-कॉमर्स, क्विक कॉमर्स (क्यूकॉम), लॉजिस्टिक्स, एफएमसीजी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं वाली कंपनियों में अस्थायी कर्मचारियों की भर्ती 15-20 फीसदी तक बढ़ सकती है। टीमलीज सर्विसेज की फेस्टिव सीजन वर्कफोर्स रिपोर्ट 2026 के मुताबिक इस सीजन में सबसे ज्यादा मांग वेयरहाउस पिकर्स, पैकर्स और डार्क स्टोर कर्मचारियों की रहेगी। इसके बाद स्टोर में प्रमोटर और विशेषज्ञ, रिटेल एसोसिएट्स, कैशियर और स्टोर परिचालन से जुड़े कर्मचारियों की जरूरत होगी। इसके अलावा इन्वेंट्री और फुलफिलमेंट समन्वयक, वेयरहाउस ऑटोमेशन परिचालक और रिटर्न प्रबंधक अधिकारियों जैसे नए तरह के पदों की मांग भी बढ़ रही है।रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण और पश्चिम भारत में भर्ती की रफ्तार सबसे ज्यादा रहने की उम्मीद है।

बेंगलूरु, हैदराबाद, चेन्नई, मुंबई, पुणे और अहमदाबाद जैसे शहरों में कंपनियां बड़ी संख्या में कर्मचारियों की भर्ती कर सकती हैं। शहरों के स्तर पर भी बदलाव देखने को मिल रहा है। 2026 में अग्रिम पंक्ति के कुल कर्मचारियों में टीयर-1 शहरों की हिस्सेदारी 40.5 फीसदी रहने का अनुमान है, जो 2025 में 38.2 फीसदी थी। वहीं टीयर-2 शहरों की हिस्सेदारी 26.5 फीसदी और टीयर-3 शहरों की हिस्सेदारी 33 फीसदी रहने की उम्मीद है। पीक सीजन में कर्मचारियों को बनाए रखने के लिए कंपनियां उपस्थिति से जुड़े बोनस, बिक्री इवेंट के दौरान अतिरिक्त भुगतान, किसी की सिफारिश करने पर बोनस मिलने, प्रदर्शन के आधार पर इनाम और डिजिटल प्रशिक्षण जैसे कदम उठा रही हैं। टीमलीज के मुताबिक इस त्योहारी सीजन में ग्राहक सेवा, रिटेल और वेयरहाउस से जुड़ी भूमिकाओं के लिए कर्मचारियों की कोई बड़ी कमी नहीं है। अब सिर्फ कुछ दिनों की बिक्री को ध्यान में रखकर भर्ती नहीं कर रही हैं। स्वतंत्रता दिवस से लेकर दीवाली और साल के अंत तक चलने वाले लंबे सेल सीजन को देखते हुए वे ऐसी कार्यबल वाली टीम तैयार कर रही हैं जो लगातार काम कर सके।टीमलीज सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि त्योहारी सीजन में भर्ती अब सिर्फ ज्यादा लोगों को रखने तक सीमित नहीं है। कंपनियां तेजी, काम की उत्पादकता और ग्राहक अनुभव पर भी ध्यान दे रही हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया छह पैसे की गिरावट के साथ ही 95.39 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया सात पैसे की गिरवट के साथ ही 95.40 के स्तर पर खुला। ये गिरावट कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी से आई है। वहीं गत दिवस अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह फिसलकर 95.42 प्रति डॉलर पर आ गया वहीं रुपया बुध्वार को 95.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 99.87 पर रहा।

चंद्रशेखरन के पद छोड़ने के बाद टाटा चेयरमैन की दौड़ शुरु, नरेंद्रन का नाम चर्चा में

नई दिल्ली।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के पद छोड़ने की घोषणा के साथ ही उनकी जगह लेने दौड़ शुरू हो गई है। शीर्ष पद की दौड़ में टाटा स्टील के टीवी नरेंद्रन का नाम उभरकर सामने आ रहा है। सूत्रों के मुताबिक इस पद के लिए टाटा कंपनियों के प्रमुखों, बोर्ड सदस्यों के साथ ही बाहरी उम्मीदवारों पर भी विचार किया जा सकता है। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि कंपनी के अंदर चर्चित दावेदारों में टीवी नरेंद्रन, टाटा संस के मुख्य वित्त अधिकारी सौरभ अग्रवाल और टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ शैलेश चंद्र शामिल हैं। टाटा संस में उत्तराधिकारी चुनना कोई आसान प्रक्रिया नहीं है। टाटा संस के आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन के आर्टिकल 118 के मुताबिक चेयरमैन की नियुक्ति के लिए चयन समिति बनानी होती है। साइरस मिस्त्री की नियुक्ति के समय इसी प्रक्रिया का पालन किया गया था। इसी तरह मिस्त्री को हटाए जाने के बाद पांच सदस्यों वाली एक चयन समिति बनाई गई, जिसने बाद में एन चंद्रशेखरन के नाम पर मुहर लगाई। चंद्रा उस समय टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के प्रबंध निदेशक और सीईओ थे। मिस्त्री के मामले से अलग इस बार टाटा संस के पास उत्तराधिकारी की घोषणा करने के लिए सात महीने का समय है।

कानून के जानकारों का कहना है कि अगर चयन समिति किसी वजह से किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाती है तो जरूरी हालात को देखते हुए नोएल टाटा कंपनी के अंतरिम चेयरमैन बन सकते हैं। मिस्त्री को अचानक हटाए जाने के बाद 2016 में रतन टाटा ने टाटा संस के अंतरिम चेयरमैन का पद संभाला था। सुप्रीम कोर्ट में वकील एच पी रनिना ने कहा कि सबसे अहम बात तलाश या चयन समिति का गठन है। यह समिति व्यक्ति का नाम तय करेगी और फिर उसकी सिफारिश टाटा संस के बोर्ड से की जाएगी। वकीलों ने इस बात का भी उल्लेख किया कि चंद्रशेखरन ने इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने कहा है कि वे फरवरी 2027 में दोबारा नियुक्ति के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

बैंक ऑफ अमेरिका जियो क्रेडिट में 49.9 फीसदी की हिस्सेदारी खरीदेगा

सब्सक्राइब होने पर बैंक का कुल निवेश 18,268 करोड़ रुपए तक होगा

नई दिल्ली, ।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और बैंक ऑफ अमेरिका ने जियो क्रेडिट लिमिटेड में संयुक्त उद्यम के लिए समझौता किया है। जिओ फाइनेंशियल सर्विसेज ने बताया कि बैंक ऑफ अमेरिका जियो क्रेडिट में 49.9 फीसदी तक हिस्सेदारी ले सकता है। इक्विटी शेयर और वारंट पूरी तरह सब्सक्राइब होने पर बैंक का कुल निवेश 18,268 करोड़ रुपए तक होगा। सौदे को नियामकीय और वैधानिक मंजूरियां मिलनी अभी शेष हैं। पहले चरण में बैंक ऑफ अमेरिका को जियो क्रेडिट में 26.5 फीसदी इक्विटी की हिस्सेदारी मिलेगी। वारंट के इस्तेमाल के बाद यह बढ़कर 49.9 फीसदी तक पहुंच सकती है। सौदे के बाद जियो क्रेडिट के बोर्ड में जेएफएसएल और बैंक ऑफ अमेरिका का समान प्रतिनिधित्व होगा, जबकि कंपनी की मौजूदा प्रबंधन टीम कारोबार को संभालती रहेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी जियो क्रेडिट का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) महज दो साल में 30,667 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी रिटेल, कमर्शियल और सप्लाई चेन फाइनेंस समेत कई ऋण उत्पादों पर काम करती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा के लिए ऐसा वित्तीय तंत्र जरूरी है जो बड़े पैमाने, भरोसे और समावेश पर आधारित हो। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और बैंक ऑफ अमेरिका की साझेदारी प्रौद्योगिकी और वैश्विक विशेषज्ञता के जरिये भारतीयों के लिए कर्ज को ज्यादा आसान, पारदर्शी और सुलभ बनाने की दिशा में अहम कदम है।

बैंक ऑफ अमेरिका के चेयर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ब्रायन मोयनिहान ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे अहम बढ़ते बाजारों में से एक है और यह निवेश उसके भविष्य में हमारे भरोसे को दर्शाता है।

एफडीए ने डोमिनोज के चार आउटलेट्स फूड बिजनेस के लाइसेंस किए निलंबित

पीने के पानी, खाने के स्टोरेज, पेस्ट कंट्रोल और साफ-सफाई में कमियां मिलीं

मुंबई, ।

महाराष्ट्र में फूड सेफ्टी और साफ-सफाई के नियमों के उल्लंघन के मामले में राज्य के एफडीए ने डोमिनोज पिज्जा के चार आउटलेट्स के फूड बिजनेस लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। इनमें तीन आउटलेट मुंबई और एक सतारा जिले में है। महाराष्ट्र एफडीए के प्रमुख एआईएस अधिकारी तुकाराम मुंडे ने बताया कि यह कार्रवाई राज्य में चेन रेस्टोरेंट्स के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई है। एफडीए की टीमों ने अलग-अलग आउटलेट्स का निरीक्षण कर वहां खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़े नियमों की जांच की।एफडीए ने बताया कि चेन रेस्टोरेंट के खिलाफ स्पेशल ड्राइव के दौरान विले पार्ले वेस्ट, बोरीवली वेस्ट और घाटकोपर वेस्ट के आर-सिटी मॉल में जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड के डोमिनोज पिज्जा आउटलेट्स के खिलाफ यह कार्रवाई की गई। एफडीए ने कहा कि विले पार्ले के डोमिनोज पिज्जा आउटलेट में एफएसएसएआई लाइसेंस दिखाने, पीने के पानी, खाने के स्टोरेज, पेस्ट कंट्रोल और साफ-सफाई की सुविधाओं से जुड़ी कमियां पाई गईं। साथ ही, उन्हें फ्रोजन फूड के तापमान की सही निगरानी, खाने और खाने-पीने की चीज़ों के अलावा दूसरी चीजो को अलग-अलग रखने, चूहों और कीड़ों से बचाव और हाथ धोने व साफ-सफाई की उचित सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।एफडीए ने कहा कि बोरीवली आउटलेट में 15 फीसदी नियमों का पालन नहीं हो रहा था।

पेटीएम के शीर्ष अधिकारियों को सेबी का नोटिस, कंपनी के शेयरों में 20 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली।

डिजिटल पेमेंट कंपनी पेटीएम के शीर्ष अधिकारियों को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की ओर से नोटिस मिला है। यह नोटिस दिसंबर 2023 में छोटे पर्सनल लोन को लेकर कंपनी की घोषणा के समय से जुड़ा है। कंपनी ने बुधवार देर रात इसकी जानकारी दी। पेटीएम के सीईओ विजय शेखर शर्मा और सीएफओ मधुर देवड़ा समेत कंपनी के कुछ प्रमुख अधिकारियों को मंगलवार को सेबी का शो-कॉज नोटिस मिला। अधिकारियों को नोटिस का जवाब देने के लिए 14 दिन का समय दिया गया है।

पेटीएम ने 6 दिसंबर 2023 को बताया था कि वह 50,000 से कम के पर्सनल लोन देने की संख्या कम करेगी। यह फैसला भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से पर्सनल लोन से जुड़े नियमों को सख्त किए जाने के बाद लिया गया था। आरबीआई ने इससे करीब तीन सप्ताह पहले बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए छोटे और असुरक्षित पर्सनल लोन पर पूंजी संबंधी जरूरतें बढ़ाई थीं। इसका उद्देश्य तेजी से बढ़ रहे छोटे कर्ज से जुड़े जोखिम को नियंत्रित करना था।

पेटीएम की घोषणा के अगले कारोबारी दिन कंपनी के शेयर में करीब 20 फीसदी की गिरावट आई थी। हालांकि कंपनी के मुताबिक घोषणा से पहले के आठ कारोबारी दिनों में भी पेटीएम के शेयर करीब 12 फीसदी गिर चुके थे। सेबी का नोटिस मुख्य रूप से इस बात से जुड़ा है कि पेटीएम ने छोटे पर्सनल लोन कम करने की जानकारी बाजार को किस समय दी थी। नियामक इस मामले में कंपनी और उसके अधिकारियों से उनका पक्ष जानना चाहता है। शो-कॉज नोटिस का मतलब यह है कि सेबी ने संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। यह अपने आप में किसी गलती या नियम उल्लंघन का अंतिम निष्कर्ष नहीं है। अगर जांच में नियमों का उल्लंघन साबित होता है, तो संबंधित लोगों या संस्थाओं पर जुर्माना या अन्य नियामकीय कार्रवाई हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में ईशान किशन टॉप पर

नई दिल्ली। टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल जोड़कर साल 2026 में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो इशान किशन टॉप पर काबिज हैं। जबकि भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने भी मात्र 6 टी20 इंटरनेशनल खेलकर ही टॉप 15 की इस लिस्ट में जगह बना ली है।

दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी इस लिस्ट का हिस्सा हैं। रोहित ने इस साल 9 वनडे इंटरनेशनल खेले हैं तो विराट ने 6 एकदिवसीय मुकाबलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इतना ही नहीं संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा भी इस लिस्ट में मौजूद हैं। सैमसन ने इस साल भारत के लिए 14 मुकाबलों में 400 रन बनाए हैं। जबकि अभिषेक के नाम 23 पारियों में 514 रन दर्ज हैं। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान और टी20 के कप्तान श्रेयस अय्यर इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा चौथे पर हैं। इशान और गिल के अलावा अय्यर और अभिषेक ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस साल अब तक 500 रनों का आंकड़ा पार किया है। खास बात यह है कि पांचवें स्थान पर शिवम दुबे इस लिस्ट में मौजूद हैं।

संविधान में संशोधन के साथ 10 दिसंबर तक होंगे आईओए चुनाव; ओलंपिक की मेजबानी को रखा गया ध्यान में

देश में खेलों को चलाने वाली शीर्ष संस्था भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में चुनावी गहमा-गहमी शुरू हो गई है। भारत की 2036 के ओलंपिक की बोली में कोई अड़चन नहीं आए, इसके लिए आईओए के चुनाव इस वर्ष 10 दिसंबर तक कराने की तैयारी कर ली गई है। चुनाव के लिए राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के अनुसार संविधान में संशोधन कराना जरूरी है। आईओए ने इसके लिए 19 अगस्त को आपातकालीन कार्यकारिणी की बैठक बुलाई है जिसमें आईओए के संविधान में संशोधन किया जाएगा, साथ ही संस्था के चुनाव 10 दिसंबर या उससे पहले कराने की घोषणा की जाएगी। बैठक में चुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) का भी चयन कर लिया जाएगा। आरओ की ओर से आईओए की चुनावी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

आईओसी को नहीं होने देना है नाराज

खेल मंत्रालय की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के समक्ष बोली लगाई जा चुकी है। मेजबानी की आगे की प्रक्रिया में आईओए की भूमिका काफी अहम रहने वाली है। ऐसे में आईओए के चुनाव में देरी आईओसी को नाराज कर सकती है। यही कारण है कि खेल मंत्रालय यह बिल्कुल नहीं चाहता है कि आईओए के चुनाव में देरी हो। हालांकि सूत्र बताते हैं कि आईओए सदस्य चुनाव 10 दिसंबर के बाद चाहते हैं, लेकिन आईओए सीईओ रघुराम अय्यर ने 19 अगस्त को आपातकालीन बैठक का नोटिस निकाल दिया है।

सरकार का समर्थन आएगा काम

बैठक का नोटिस निकलते ही आईओए में चुनावी हलचल शुरू हो गई है। देखने वाली बात यह होगी अध्यक्ष पीटी उषा को चुनौती देने के लिए कौन सामने आता है। 2022 में अध्यक्ष बनीं उषा को अपनी कार्यकारिणी से समर्थन नहीं मिला है। सूत्र यह भी बताते हैं कि इस बार भी जिसे सरकार का समर्थन हासिल होगा वही अगला आईओए अध्यक्ष होगा। हालांकि आईओए चुनाव से पहले एथलीट कमीशन और योग्य खिलाड़ियों (एसओएम) का फिर से गठन करना होगा।

पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं

क्या उम्र के कारण रोहित-विराट को विश्वकप से बाहर कर देना चाहिए? हरभजन ने मेसी का दिया उदाहरण

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के वनडे भविष्य को लेकर बहस लगातार जारी है। दोनों की उम्र 30 के पार हो चुकी है और 2027 वनडे विश्व कप के समय रोहित 40 तथा कोहली 39 वर्ष के होंगे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या दोनों दिग्गज दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले विश्व कप में खेलेंगे। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने इस बहस में उम्र के बजाय प्रदर्शन को पैमाना बनाने की बात कही है। हरभजन ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, 'जो भी खिलाड़ी हो, मेरा मानना है कि पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं। अगर रोहित और विराट रन बना रहे हैं तो हमें उनकी उम्र क्यों देखनी चाहिए?' उन्होंने कहा कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में रोहित और कोहली पर युवा खिलाड़ियों की तुलना में कहीं ज्यादा उम्मीदों का दबाव होगा। हालांकि, दोनों ने जिस तरह का आत्मविश्वास और दृढ़ता दिखाई है, उसके आधार पर हरभजन को भरोसा है कि वे अभी भी बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं।हरभजन ने रोहित और कोहली के समर्थन में फुटबॉल सुपरस्टार लियोनल मेसी का उदाहरण दिया। उनका कहना है कि अगर 39 साल की उम्र में मेसी विश्व कप जैसे बड़े मंच पर अपनी टीम को आगे ले जा सकते हैं तो रोहित और कोहली के लिए भी ऐसा करना संभव है। हरभजन ने कहा, 'अगर लियोनल मेसी ऐसा कर सकते हैं तो विराट कोहली और रोहित शर्मा क्यों नहीं कर सकते?' उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के लिए उम्र से ज्यादा उनकी फिटनेस, प्रदर्शन और टीम को योगदान देने की क्षमता मायने रखती है। यदि दोनों दिग्गज विश्व कप तक खुद को फिट रखते हैं और टीम के लिए रन बनाते हैं, तो उन्हें उम्र के आधार पर बाहर करने का कोई मतलब नहीं है।

वैभव को बताया 'यूनीक' खिलाड़ी

हरभजन ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में दुनिया के शीर्ष गेंदबाजों के खिलाफ जिस तरह वैभव आक्रामक क्रिकेट खेल रहे हैं, वह उन्होंने पहले नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी कमाल के खिलाड़ी हैं। वह एक अलग तरह के और बेहद अनोखे खिलाड़ी हैं। मैंने इससे पहले ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा, जो 14-15 साल की उम्र में दुनिया पर इस तरह हावी हो सके। जब दुनिया के शीर्ष गेंदबाज उन्हें गेंदबाजी कर रहे होते हैं तो वे वास्तव में यह सोच रहे होते हैं कि उन्हें गेंद कहां डालनी है। यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है।'हरभजन ने कहा कि वैभव की उम्र को देखकर उन्हें सामान्य युवा खिलाड़ी नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा, 'वैभव यह संदेश दे रहे हैं कि 15 साल का बच्चा भी ऐसा कर सकता है। उसे बच्चा मत समझिए। एक बच्चा वह कर सकता है जो बड़े लोग नहीं कर सकते।'

शुभमन गिल की कप्तानी से प्रभावित

हरभजन ने भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की भी तारीफ की। उन्होंने इंग्लैंड दौरे में गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी को उनकी नेतृत्व क्षमता का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, 'उनकी कप्तानी की असली मजबूती इंग्लैंड में दिखाई दी। वह सिर्फ एक छोटा उदाहरण था कि वह क्या कर सकते हैं। एक लीडर, कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने इंग्लैंड में किसी भी अन्य खिलाड़ी से ज्यादा रन बनाए। जिस तरह उनकी टीम ने वहां जीत हासिल की और टीम की मानसिकता जैसी थी, उसी वजह से मैं उन्हें बहुत ऊंचा आंकता हूं।'हरभजन ने मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी और पूरी टीम के रवैये की भी तारीफ की। उन्होंने गिल को शानदार क्रिकेट दिमाग वाला खिलाड़ी और अच्छा इंसान बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके पास बहुत अच्छा क्रिकेट दिमाग है। वह एक शीर्ष क्रिकेटर हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एक अच्छे इंसान हैं।'

अटल ने 143 तो जादरान ने खेली 107 रन की पारी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने 5 मैचों की वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में आयरलैंड के खिलाफ 50 ओवर में 9 विकेट पर 343 रन बनाए और आयरैलैंड को जीत के लिए 344 रन का लक्ष्य दिया। अफगानिस्तान को इस बड़े स्कोर तक पहुंचाने में सेदीकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान की शतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा। इस मैच में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

अटल ने खेली 143 रन की पारी तो जादरान ने बनाए 107 रन- इस मैच में अफगानिस्तान के लिए पारी की शुरुआत करने रहमानुल्लाह गुरबाज के साथ इब्राहिम जादरान आए थे, लेकिन गुरबाज का बल्ला नहीं चला और वो 10 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद तीसरे नंबर पर खेलने के लिए सेदीकुल्लाह अटल क्रीज पर आए और फिर जादरान और अटल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों पर 231 रन की शानदार साझेदारी कर डाली व टीम को बेहद मजबूत स्थिति में ला दिया। जादरान और अटल के बीच ये साझेदारी तब टूटी जब जादरान 107 रन बनाकर आउट हो गए।

पिता को खोने के चार दिन बाद फुटबॉल के मैदान पर लौटे मेसी

मियामी। पिता के निधन के बाद अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनल मेसी मैदान पर वापसी कर चुके हैं। मेसी के लिए बुधवार की रात सिर्फ एक फुटबॉल मैच नहीं, बल्कि भावनाओं से भरी वापसी थी। अपने पिता जॉर्ज मेसी के निधन के महज चार दिन बाद अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी ने एक बार फिर फुटबॉल के मैदान पर कदम रखा। इंटर मियामी की ओर से लीग्स कप के अहम मुकाबले में मेसी लियोन के खिलाफ खेलने उतरे।

जॉर्ज मेसी का आठ अगस्त को अर्जेंटीना के रोसारियो में 68 वर्ष की उम्र में निधन हुआ था। उनके निधन के बाद मेसी अपने गृहनगर गए और अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इंटर मियामी ने भी अपने कप्तान को इस मुश्किल समय में फुटबॉल से दूर रहने का समय दिया था। ऐसे में माना जा रहा था कि मेसी की वापसी में कुछ और वक्त लग सकता है, लेकिन उन्होंने बुधवार को अचानक मैदान पर लौटकर सभी को भावुक कर दिया।

पहले बेंच पर बैठे, दूसरे हाफ में उतरे

लियोन के खिलाफ मुकाबले के लिए मेसी को शुरुआती प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। वह सब्स्टिट्यूट खिलाड़ियों की सूची में शामिल थे। हालांकि, मैच के दूसरे हाफ की शुरुआत में ही उन्हें मैदान पर उतार दिया गया। मेसी की वापसी ऐसे समय हुई जब इंटर मियामी के लिए मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण था। टीम अपने पिछले लीग्स कप मैच में मेसी की गैरमौजूदगी में मॉन्टेरे के खिलाफ 1-2 से हार गई थी। इसके बाद लियोन के खिलाफ जीत उसके लिए जरूरी थी। मेसी के मैदान पर आने से टीम को उम्मीद जगी, लेकिन उनका लौटना भी इंटर मियामी को हार से नहीं बचा सका। लियोन ने मुकाबला 3-2 से अपने नाम कर लिया।

पिता की याद में लिखी थी भावुक पोस्ट

मेसी की मैदान पर वापसी इसलिए भी खास रही क्योंकि पिता के निधन के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर बेहद भावुक संदेश साझा किया था। उन्होंने जॉर्ज को सिर्फ अपना पिता ही नहीं, बल्कि दोस्त और प्रतिनिधि बताया था। जॉर्ज मेसी ने बचपन से ही उनके करियर को संभाला और लंबे समय तक उनके एजेंट भी रहे। मेसी ने अपनी भावुक पोस्ट में लिखा था, 'पापा, मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि आप चले गए हैं। यह बात मेरे दिल में उतरी नहीं है, या यूं कहूं कि मैं इसे स्वीकार नहीं करना चाहता। यह सोचना बहुत मुश्किल है कि अब मैं आपको दोबारा नहीं देखूंगा और हम बात नहीं करेंगे।'

उन्होंने यह भी बताया था कि उनके पिता चाहते थे कि वह 2026 विश्व कप में खेलें। मेसी ने लिखा कि टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ दिन पहले जॉर्ज की हालत बिगड़ गई थी, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि उनके पिता ठीक होकर विश्व कप के फाइनल में उन्हें खेलते हुए देखने पहुंच पाएंगे।

डूरंड कप: मोहम्मडन एससी को हराकर इंडियन आर्मी क्वार्टर फाइनल में, शफील पीपी का निर्णायक गोल

कोलकाता। इंडियन आर्मी फुटबॉल टीम ने 135वें डूरंड कप के ग्रुप बी के आखिरी मुकाबले में मोहम्मडन एससी को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले गए मुकाबले में सेना की टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। 90वें मिनट के बाद शफील पीपी के निर्णायक गोल ने उसे रोमांचक जीत दिलाई। मोहम्मडन ने 34वें मिनट में ललथांकिमा के शानदार गोल से बढ़त बनाई। बाएं छोर से गेंद लेकर अंदर आए ललथांकिमा ने बेहतरीन अंदाज में दाएं पैर से शॉट लगाकर गेंद को गोल के ऊपरी बाएं कोने में पहुंचाया। मध्यांतर तक मोहम्मडन 1-0 से आगे रहा।

दूसरे हाफ में इंडियन आर्मी ने आक्रामक रुख अपनाया। 59वें मिनट में पी. क्रिस्टोफर कामेई के दूर से लगाए तेज शॉट ने मोहम्मडन के डिफेंडर पुखरामबम दिनेश मेइतेई से लगकर दिशा बदली, गेंद पोस्ट से टकराई और गोल में चली गई। इससे सेना की टीम 1-1 से बराबरी पर पहुंच गई। इसके बाद दोनों टीमों ने जीत के लिए जोर लगाया। 81वें मिनट में मोहम्मडन के महाराबम मैक्सियन के पास बढ़त लेने का मौका आया, लेकिन सेना के गोलकीपर और कप्तान भाबिंद्र मल्ला ठाकुरी ने आगे बढ़कर खतरा टाल दिया।इंजरी टाइम के पहले मिनट में शफील पीपी ने दूर से जोरदार शॉट लगाया। गेंद हल्की सी दिशा बदलते हुए गोल में चली गई और इंडियन आर्मी ने 2-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद मोहम्मडन बराबरी नहीं कर सका। इस जीत के साथ इंडियन आर्मी ने ग्रुप बी में तीन मैचों से नौ अंक लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा: कपिल

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने से कुछ सवाल खड़े हुए हैं। शनिवार से शुरू होने वाली श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भारत को अपने नियमित खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर की कमी खलेगी। जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन दोनों को टीम में शामिल किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें इस अहम दो-टेस्ट मैचों की सीरीज से हटा दिया गया।

हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बताया था कि उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा, लेकिन उनके लंबे समय तक बाहर रहने से यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सही प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

पहले जेआईटीओ प्रीमियर लीग के लॉन्च इवेंट में कपिल देव ने कहा, घरेलू क्रिकेट खेलना बहुत जरूरी है। इंसान को अपने शरीर के बारे में पता होना चाहिए। आजकल बहुत ज्यादा टी20 क्रिकेट हो रहा है, इसलिए आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि इसका शरीर पर क्या असर पड़ता है।

कपिल देव ने कहा, ''असल में, हमारा शरीर तेज गेंदबाज बनने के लिए नहीं बना है। हमारा शरीर ज्यादातर बल्लेबाज बनने के लिए बना है। बीसीसीआई को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि एक तेज गेंदबाज पर कितना वर्कलोड डाला जा सकता है।''जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन के अलावा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं। नितीश कुमार रेड्डी लगातार चोटों से जूझ रहे हैं। आईपीएल के दौरान उन्हें क्वाड्रिसेप्स की चोट लग गई। हालिया समय में घरेलू मैदानों पर न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के हाथों बुरी तरह हारने के बाद स्पिन के खिलाफ भारत के खेल पर सवाल उठ रहे हैं।

कपिल देव ने कहा, ''भारतीय टीमों को स्पिन के खिलाफ संघर्ष इसलिए करना पड़ता है, क्योंकि शीर्ष खिलाड़ी पर्याप्त घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं। यहीं पर बीसीसीआई को सख्ती दिखानी चाहिए और सभी के लिए मल्टी-डे मैच खेलना अनिवार्य करना चाहिए। इसका एक और पहलू यह है कि युवा पीढ़ी को शीर्ष खिलाड़ियों से सीखने का मौका मिलेगा।''कपिल देव ने कहा, ''हाल के समय में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है।

नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

मिचेल स्टार्क बने टेस्ट इतिहास के नंबर 1 लेफ्ट-आर्म बॉलर

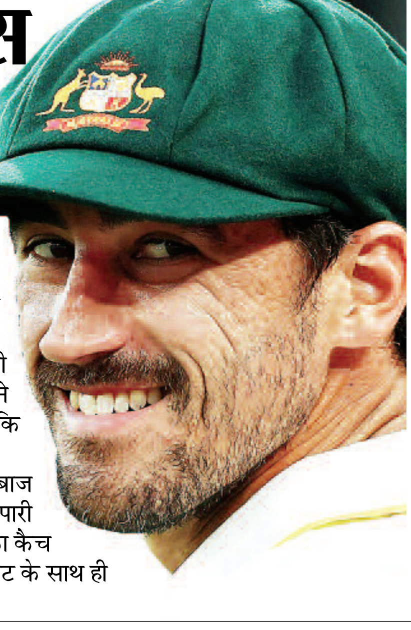

नई दिल्ली। मिचेल स्टार्क ने एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज हो चुका है। इसके पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 198 रन पर ही आउट हो गई, इसके बाद जब बांग्लादेश की बल्लेबाजी शुरू हुई तो मिचेल स्टार्क ने ही पहला विकेट लिया। इस विकेट को लेने के साथ ही मिचेल स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज बन गए। मजे की बात ये है कि उन्होंने ये कीर्तिमान इंटरनेशनल लेफ्ट हैंडर्स डे पर बनाया है।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पहले दिन पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी, लेकिन टीब्रेक के कुछ ही देर बाद पूरी टीम केवल 198 रन बनाकर आउट हो गई। स्टीव स्मिथ ने अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन बाकी किसी भी बल्लेबाज का उन्हें साथ नहीं मिला। यही कारण रहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली बार बांग्लादेश के खिलाफ 200 से कम के स्कोर पर आउट हो गई।

इसके बाद बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरी। उनके सलामी बल्लेबाज सादमान इस्लाम और तंजीद हसन तमीम ने टीम को सधी हुई शुरुआत देने की कोशिश की, लेकिन पारी के नौवें ओवर में मिचल स्टार्क ने दूसरी ही बॉल पर सादमान इस्माल को आउट कर दिया। उनका कैच नाथन लॉयन ने लपका। वे 30 बॉल पर 20 रन बना सके। इसमें दो चौके शामिल रहे। इस विकेट के साथ ही मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 434 विकेट पूरे कर लिए।

अवैध खनन मामला

फिफ्टी जड़ स्टीव स्मिथ पहुंचे लारा और स्टीव वॉ के बराबर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर बांग्लादेश की टीम टेस्ट मैच खेल रही है। दोनों टीमों के बीच डार्विन में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का 13 अगस्त से आगाज हो चुका है। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम का आगाज बेहद खराब रहा।

दरअसल, 38वें ओवर में तैजुल इस्लाम गेंदबाजी करने आए। स्मिथ ने तैजुल का छक्के से स्वागत किया। इस छक्के की मदद से स्मिथ का निजी स्कोर 42 रन पहुंच गया। इसके साथ ही स्टार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में महान एलन बॉर्डर को पछाड़ दिया। स्मिथ अब इंटरनेशनल क्रिकेट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं, एलन बॉर्डर 5वें पायदान पर खिसक गए हैं। स्मिथ से आगे अब रिकी पोंटिंग, डेविड वॉर्नर और स्टीव वॉ हैं। बता दें, स्टीव स्मिथ के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 361 मैचों की 430 पारियों में 17700+ रन हो गए हैं। इसमें 49 शतक और 85 अर्धशतक शामिल हैं। डार्विन में खेले जा रहे पहले टेस्ट से पहले स्टीव स्मिथ के खाते 17656 इंटरनेशनल रन दर्ज थे। उन्हें एलन बॉर्डर को पछाड़ने के लिए सिर्फ 42 रनों की दरकार थी। डार्विन टेस्ट के पहले दिन जब स्मिथ 2 रन के निजी स्कोर पर थे, तो आउट होने से बाल-बाल बचे। उनका कैच ड्रॉप हुआ। इसके बाद स्मिथ ने लगातार रन बनाते हुए न केवल एलन बॉर्डर को पछाड़ा, बल्कि मुश्किल में घिरी ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान शानदार अर्धशतक भी जड़ा। स्मिथ के टेस्ट करियर का यह 45वां अर्धशतक है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

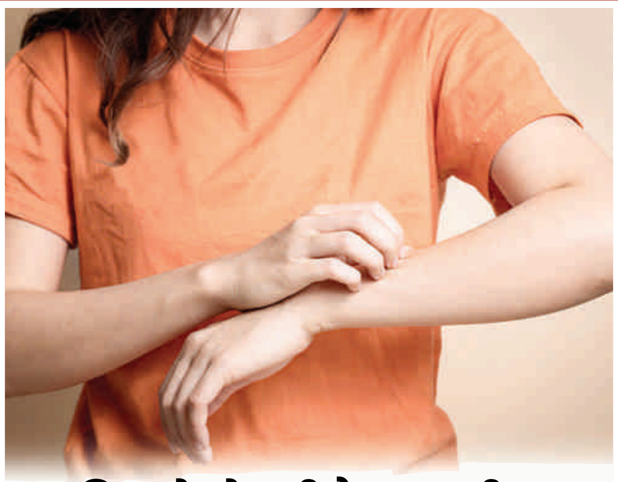

बारिश में हो रही है खुजली और इंफेक्शन की समस्या तो इन आदतों को जल्द सुधारें

बारिश के मौसम में स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी बढ़ जाता है। साथ ही बारिश में भीगने के बाद कई लोगों को त्वचा संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। ह्यूमिडिटी के कारण ऑयली स्किन से लेकर स्किन रैशेज तक कई समस्या होती हैं। कई लोगों को त्वचा में जलन और खुजली की भी परेशानी होती है। इन समस्या को नज़रंदाज़ करने पर समस्या काफी बढ़ सकती है। बारिश में बैक्टीरिया बढ़ने के कारण स्किन इन्फेक्शन काफी तेज़ी से फैलता है। अगर आप भी इस मौसम में खुजिल, जलन या स्किन इन्फेक्शन की समस्या से परेशान है तो आपको इन टिप्स को ज़रूर फॉलो करना चाहिए...

बॉडी को अच्छे से सुखाएं

बारिश में उमस काफी रहती है जिसके कारण नहाने या बारिश में भीगने के बाद हमारी बॉडी काफी लंबे समय तक गीली रहती है। स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए अपनी त्वचा को अच्छे से सुखाएं। स्किन में नमी के कारण बैक्टीरिया ज्यादा समय तक रहते हैं जिससे इन्फेक्शन का खतरा बढ़ता है। बारिश में भीगने के बाद आप अपनी त्वचा को अच्छे से सुखा लें।

भीगने के बाद हाथ-पैर धो लें

बारिश के पानी में कई तरह के बैक्टीरिया मौजूद होते हैं। साथ ही वातावरण के कारण भी इन्फेक्शन का खतरा काफी होता है। अगर आप बारिश में भीग गए हैं तो घर आकर नहाएं या हाथ-पैर धो लें। आप साबुन या डिटॉल के पानी से भी नहा सकते हैं। ऐसा करने से स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी कम हो जाएगा।

हलके सूती कपड़े पहनें

सर्दी और गर्मी के मौसम में हमे फैब्रिक की समझ रहती है लेकिन बारिश में हम किसी भी प्रकार के कपड़े पहनते हैं। बारिश में पॉलिएस्टर के कपड़ों के कारण स्किन इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। बारिश में हलके सूती कपड़े पहनने की कोशिश करें। साथ ही इस मौसम में ज्यादा टाइट कपड़े न पहनें।

सूखे अंडरगारमेंट्स पहने

बारिश में अंडरगारमेंट्स आसानी से सूखते नहीं है। साथ ही अंडरगारमेंट्स सूखने के बाद भी इनमें नमी रह जाती है. ऐसे में कई लोग गीले या नमी वाले अंडरगारमेंट्स पहन लेते हैं। गीलापन के कारण त्वचा में इन्फेक्शन, रैशेज और बैक्टीरिया का खतरा बढ़ जाता है। अंडरगारमेंट्स अगर गीले हैं तो आप हेयर ड्रायर या आयरन की मदद से सुखा सकते हैं।

टॉवल साफ़ रखें

स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए सबसे ज़रूरी टॉवल साफ़ करना है। टॉवल बारिश में आसानी से सूखती नहीं है जिसके कारण उसमें फंगस लगने की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए नियमित रूप से अपनी टॉवल को साफ़ करते रहें। गीली टॉवल के इस्तेमाल से बचें। धूप में टॉवल सुखाने की कोशिश करें।

एक इलायची रोज खा ली तो होंगे 3 फायदे

इलायची भारतीय रसोई में उपयोग में आने वाला एक महत्वपूर्ण मसाला है। यदि आपको सेहत के फायदे चाहिए तो आप इलायची का इस्तेमाल आपके भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ ही रोज खाने में भी करें, यानी कि 1 इलायची आप प्रतिदिन खाएं, आपको इलायची खाने बेहतरीन फायदे भी मिलेंगे।

- यदि आप एक इलायची का सेवन करते हैं तो आपके गले की खराश, गले की सूजन और बैठी हुई आवाज में लाभ होगा। इसके लिए आपको सुबह उठने के बाद एक छोटी इलायची चबा-चबाकर खाकर गुनगुना पानी पीना चाहिए।
- यदि आपके मुंह से दुर्गंध आती है तो इलायची चबाना एक अच्छा उपाय है। क्योंकि इलायची से जहां मुंह की बदबू दूर होगी। वहीं इसके अन्य कई फायदे भी आपको मिलेंगे।
- यदि आपको बार-बार मुंह में छाले होते हैं तो आप इलायची के पाउडर में पिसी मिश्री मिलाकर खाएं, लाभ होगा। इसके अलावा आपका जी मचलाना, खांसी, बदहजमी आदि में इसका फायदा होगा।

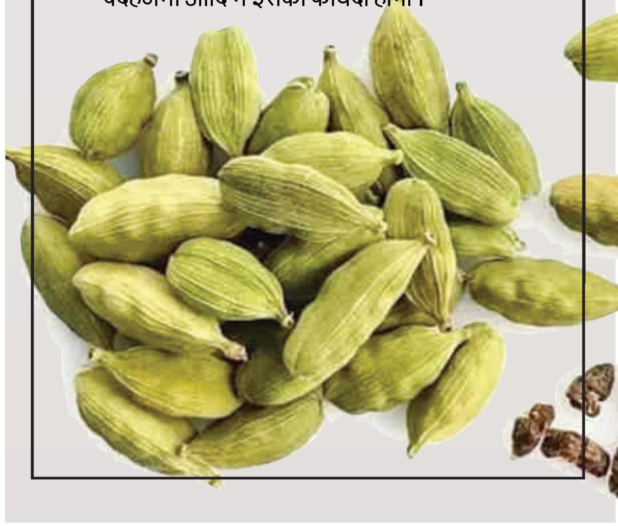

कंजक्टिवाइटिस आई फ्लू फैल रहा है तेजी से, जानें बचने के उपाय

कंजक्टिवाइटिस आंखों की एक बीमारी है, जिसे आंख आना या आंखों का गुलाबी होना कहा जाता है। इस रोग में आंखें सुर्ख लाल होकर सूज जाती है। उसमें पानी आने लगता है और खुजली होने लगती है। यह बीमारी एक वायरल रोग है, जो इंफेक्शन के कारण एक-दूसरे में आ जाती है। अतः जो भी व्यक्ति बार-बार आंख को रगड़ते हैं, उन्हें बैक्टीरियल इंफेक्शन हो जाता है और उसमें से पस जैसा डिस्चार्ज आने लगता है। साथ ही आंख आने वाले व्यक्ति की आंख में देखने से भी कंजंक्टिवाइटिस फैलता है। इस संक्रमण में आंखों में दर्द, जलन और आंखों में कुछ रेत की तरह चुभने का अहसास भी होता है।

कंजक्टिवाइटिस से बचने के उपाय

- कंजक्टिवाइटिस के दौरान साफ-सफाई का ध्यान रखें।
- आंखें आने पर बाहर धूप में निकलने पर आंखें दुखने लगती हैं अतः सनग्लासेज पहन कर ही घर से बाहर निकलें।
- दिनभर में कई बार साफ पानी से आंखों को धोएं।
- आई ड्रॉप्स को आंखों में डालने के पहले और दवाई डालने के बाद भी अपने हाथ धोएं।
- जिस व्यक्ति कंजक्टिवाइटिस का इंफेक्शन है, उससे दूरी बनाए रखें।
- यदि घर में किसी को आंखों का इंफेक्शन है, तो उसका तकिया, तौलिया आदि कोई भी चीजें किसी दूसरे के साथ शेयर न करें।
- यदि नेत्र रोग विशेषज्ञ आपको एंटिबायोटिक ड्रॉप या मलहम लगाने की सलाह देते हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि दवा का नोजल आंखों तथा पलकों पर टच न हो, इससे भी दूसरी आंख में कंजक्टिवाइटिस इंफेक्शन फैलाने का खतरा बढ़ जाता है।
- कंजक्टिवाइटिस का संक्रमण हाथों के जरिए भी फैल सकता है। अतः घर के सदस्यों तथा स्कूली बच्चों को एक-दूसरे के नजदीक न आने दें।
- कंजक्टिवाइटिस रोग से ग्रसित व्यक्ति से हाथ न मिलाएं।
- अगर घर में किसी एक बच्चे को इंफेक्शन है तो घर या स्कूल के दूसरे बच्चों के उसके संपर्क में आने पर उन्हें भी यह हो जाता है।

बारिश में बच्चों को डायरिया से कैसे बचाएं?

बारिश का मौसम बहुत सुहाना होता है लेकिन ये सुहानी बारिश कई खतरनाक बीमारियों को भी लेकर आती है। बारिश में सर्दी, बुखार और जुखाम की समस्या आम होती है। लेकिन इसके साथ ही डायरिया का खतरा भी बारिश के मौसम में बढ़ जाता है। बारिश के पानी में जेर्म्स व बैक्टीरिया होने के कारण पेट की समस्या होने लगती है। कई बार बारिश के मौसम में बहार का न खाने पर भी पेट की समस्या हो जाती है। इस मौसम में इम्युनिटी कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों को भी बारिश के मौसम में सतर्क रहने की ज़रूरत है।

ऐसे बचाएं बच्चों को डायरिया से

- बच्चों को डायरिया से बचाने के लिए उन्हें घर में प्रवेश करते समय हाथ धोने को कहें।
- खाने से पहले भी उन्हें हाथ धोने या sanitize करने की लिए कहें।
- बच्चों को स्ट्रीट फूड का सेवन न करने दें। बारिश में स्ट्रीट फूड से डायरिया का खतरा बढ़ता है।
- बच्चों को जमे और गंदे पानी से न खेलने दें। इससे जेम्स का खतरा अधिक होता है।
- हमेशा बच्चों को RO या उबला हुआ पानी ही पिलाएं।
- डायरिया से बचने के लिए घर में सफाई रखें और मक्खी व कॉकरोच जैसे कीड़ों को न आने दें।

डायरिया से बचने के लिए इन चीज़ों का सेवन करें

- दही, छाछ, लस्सी पीने से दस्त की समस्या से राहत मिलती है। दही में गुड बैक्टीरिया होते हैं जो आंतों के लिए जरूरी हैं जिससे पेट में ऐंठन, मरोड़ दूर हो जाती है।
- डायरिया से बचने के लिए आप जीरे के पानी का सेवन करें। आप 1 से आधा चम्मच जीरा या जीरा पाउडर लें। इसके बाद इसे अच्छे से पानी में उबाल लें। इसको छान कर ठंडा होने बाद पी लें।
- केला, उबला आलू, अनार, अंगूर, संतरा आदि फल-सब्जी का सेवन करें। सादा खाना खाएं जैसे दलिया, खिचड़ी आदि खा सकते हैं।
- आप बच्चों को नारियल व नींबू पानी भी पिलाएं। नींबू पानी में विटामिन ष्होता हा जिससे बच्चों की इम्युनिटी बेहतर होगी।

अगर आपके बच्चे को डायरिया हो या उसके लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से इलाज करवाएं। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवाई न लें।

डायरिया के लक्षण

- पतला मल आना
- उल्टी होना
- शरीर में पानी की कमी होना
- पेट में सूजन व ऐंठन होना
- बार-बार बुखार आना
- मल के साथ खून आना
- भूख न लगना
- पेट में ऐंठन होना

विटामिन बी 12 कम होने से क्या होता है?

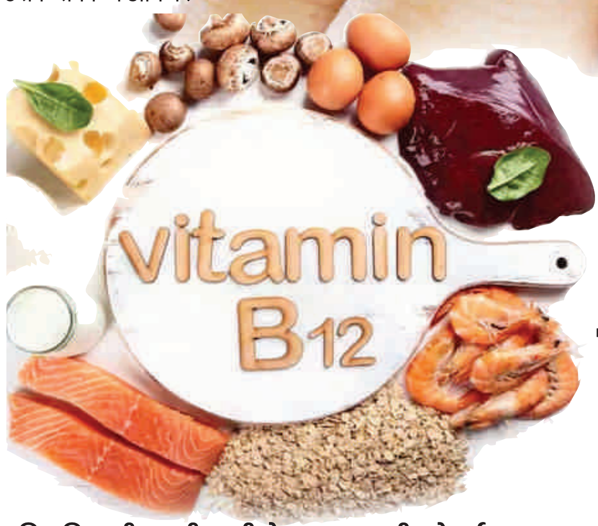

विटामिन बी 12 की कमी से थकान, शरीर में दर्द, चक्कर आना, कमजोरी महसूस होती है। जी हां, यह सच है कि कभी-कभी नींद पूरी होने के बाद भी सुबह उठने पर यदि आपको थकान महसूस होती है और शारीरिक रूप से थका होने के कारण किसी भी कार्य में मन नहीं लगता है। ऐसा महसूस होता होता है कि जैसे चक्कर आ रहे हैं, बॉडी पेन, कमजोरी महसूस हो रही और किसी भी कार्य पर पूर्णरूप से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं तो इस बीमारी की जड़ विटामिन बी 12 हो सकती है। जानते हैं विटामिन बी 12 कम होने पर क्या लक्षण नजर आते हैं।

- पूरे शरीर में दर्द महसूस होना
- दिनभर थकान लगना
- सिर दर्द होना
- वजन तेजी से गिरना
- भूख नहीं लगना
- बेहोशी जैसा लगना, बेहोशी महसूस होना, सिर घूमना
- दिल की धड़कन तेज होना
- किसी भी कार्य में मन न लगना
- कुछ भी काम करने का मन न करना
- एनीमिया से पीड़ित होना।

आदि लक्षण विटामिन बी 12 की कमी से हो सकते हैं। यदि आप भी कुछ ऐसा ही महसूस करते हैं तो इसके लिए आपको अपने दिनचर्या में डेयरी प्रोड्क्ट, पनीर, अंडा, चुकंदर, दही, ब्रोकली, ओट्स, मछली, मिट, चिकन आदि को अपने खान-पान में शामिल करना चाहिए।

पपीता खाने के हैरान करने वाले फायदे

पपीता एक ऐसा फल है, जिसे कच्चा और पका हुआ दोनों ही तरह से खाया जाता है। पपीता एक पौष्टिक और रसीला फल हैं, जिससे हमें कई विटामिन प्राप्त होते हैं। इसके नियमित उपयोग से शरीर में कभी विटामिन्स की कमी नहीं होती। वैसे तो पपीता अधिकतर लोगों को पसंद होता है और वे इसे खाना भी पसंद करते हैं। लेकिन आपको बता दें कि डायबिटीज के रोगियों को प्रतिदिन पपीता खाने से बचना चाहिए या फिर डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसे खाना उचित रहता है।

पपीता पेप्सिन प्राप्त करने का एकमात्र साधन है। इसमें पेप्सिन नामक तत्व पाया जाता है, जो बहुत ही पाचक होता है। यह खासकर उन स्थितियों में भोजन को पचाने में मदद करता है, जब आपका पाचन तंत्र भोजन को पचाने के लिए पर्याप्त मात्रा में एंजाइम का निर्माण नहीं करता है। अतः यह हमारे शरीर के लिए अतिलाभदायी होता है। यदि आप भी नियमित रूप से एक माह तक पपीते का सेवन करते हैं तो इसके आपको हैरान करने वाले फायदे मिलते हैं।

- पपीता खाने से त्वचा व नेत्र स्वस्थ रहते हैं।
- पपीता कब्ज और कफ के रोग में लाभदायी है।
- पपीता पेट एवं आंत संबंधी रोगों में बहुत लाभदायक है, क्योंकि पपीते का रस प्रोटीन को आसानी से पचाने मददगार माना गया है।
- बच्चों की वृद्धि और रोगों से बचाने के लिए उन्हें विटामिन ए की अधिक आवश्यकता रहती है, जो कि उन्हें पपीता से मिलती है।
- पपीता हृदय रोग, नाड़ियों तथा पेशियों की क्रिया ठीक रखने में सहायता करता है।
- पपीते का सेवन वात शमन करके अपावायु को शरीर से बाहर करता है।
- विटामिन ए पपीते में अधिक मात्रा में पाया जाता हैं, जो कि हमारी त्वचा एवं आंखों के लिए बहुत आवश्यक होता है। अतः यह त्वचा को स्वच्छ, स्वस्थ और इसकी ग्लोइंन बनाए रखने में लाभकारी है।
- पपीते में कैल्शियम अच्छी मात्रा में होने के कारण यह रक्त और तंतुओं के निर्माण सहायक है।
- पपीता गरिष्ठ पदार्थों या भोजन को आसानी से पचाता है।
- पपीता से हमें पाचक तत्व का एकमात्र प्राकृतिक स्रोत पेप्सिन तथा विटामिन ए, बी, सी, डी के अलावा आयरन, फॉस्फोरस, एंटीऑक्सीडेंट्स, पोटेशियम, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम और कैरोटीन भी अच्छी मात्रा में मिलता है। अतः बार-बार सर्दी और खांसी से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए पपीते का नियमित सेवन काफी लाभकारी होता है, क्योंकि इससे आपका इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लेह-लद्दाख में 5.5 तीव्रता का भूकंप, फिलहाल नुकसान की सूचना नहीं

लेह (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में गुरुवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.5 मापी गई। भूकंप के झटके सुबह करीब 6:05 बजे महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोगों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। कई लोग एहतियातन घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। फिलहाल भूकंप के कारण किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। भूकंप के झटके महसूस होने के साथ ही प्रशासन और संबंधित एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। लद्दाख भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, इसलिए यहां समय-समय पर भूकंप के झटके महसूस होते रहे हैं। अधिकारियों की ओर से लोगों से घबराने के बजाय सतर्क रहने की अपील की गई है। भूकंप के बाद संभावित आफ्टरशॉक्स को देखते हुए भी निगरानी रखी जा रही है।

जेल में भी नहीं सुधरे प्रज्वल रेवन्ना : बैरक से मिला फोन में पोर्न वीडियो

बेंगलुरु (एजेंसी)। बलात्कार के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की मुश्किलें एक बार फिर काफी बढ़ गई हैं। बेंगलुरु की उच्च सुरक्षा वाली परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में अचानक की गई छापेमारी के दौरान जांचकर्ताओं को उनकी बैरक से एक एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद हुआ है। इस डिवाइस में लगभग 80 से 90 डाउनलोड किए गए अश्लील वीडियो मिले हैं, जिससे जेल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) की ओर से हाई-प्रोफाइल कैदियों के लिए चलाए गए औचक तलाशी अभियान के दौरान यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बरामद फोन में मिले अधिकांश वीडियो भारतीय अश्लील कंटेंट से जुड़े हैं। इसके अलावा जांचकर्ताओं को डिवाइस के भीतर ऐसे समाचार पत्रों की डिजिटल कटिंग भी मिली हैं, जिनमें महिलाओं से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्रियां थीं। फिलहाल इस मोबाइल फोन को विस्तृत फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह प्रतिबंधित सामग्री कब और कैसे जेल के अंदर पहुंची, इसका इस्तेमाल कौन-कौन करता था और इसमें अन्य कौन सी डिजिटल फाइलें मौजूद थीं। जेल एवं सुधार सेवाओं के पुलिस महानिदेशक ने बताया कि सीसीबी ने मंगलवार को जेल में चार से पांच घंटे तक गहन तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान प्रज्वल रेवन्ना की बैरक से यह फोन जब्त किया गया। इस गंभीर लापरवाही के सामने आने के बाद प्रशासनिक स्तर पर सख्त कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। ड्यूटी में कोताही बरतने के आरोप में सहायक अधीक्षक को निलंबित कर दिया गया है, जबकि बेंगलुरु केंद्रीय कारागार के अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इस पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जेल के भीतर इस तरह की प्रतिबंधित चीजें कैसे पहुंच रही हैं।

रांची में छात्र प्रदर्शन पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 600 पर एफआईआर

रांची (एजेंसी)। झारखंड में रांची पुलिस ने हाल ही में हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान बैरिकेडिंग तोड़ने और पुलिस से झड़प के मामले में बड़ी कार्रवाई कर करीब 600 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। इसमें 100 लोग नामजद हैं, जिसमें ज्यादातर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के युवा कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं, जबकि 500 अज्ञात प्रदर्शनकारियों पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं की गहन जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि इस दौरान 14 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। दरअसल, सोमवार को हजारों छात्र और अभ्यर्थी विधानसभा की ओर मार्च कर रहे थे। उनकी मुख्य मांग भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता लाना है। प्रदर्शनकारियों ने रास्ते में कई बैरिकेडिंग तोड़ दीं और पुलिस के साथ उनकी झड़प भी हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने जगन्नाथपुर मंदिर के पास पानी की बौछारें और आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शनकारियों ने भी खुद के घायल होने का दावा किया है, जिससे वहां तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी।

कर्नाटक विधानसभा परिसर में चल रही कैंटीन की थाली में मिले कॉकरोच

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा के अंदर चल रही कैंटीन, जहां मंत्रियों और अधिकारियों के दफ्तर हैं, स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी में साफ-सफाई से जुड़ी कमियां पाए जाने के बाद जांच के दायरे में आ गई है। विभाग ने विधान सभा परिसर में मौजूद विकास सौधा की कैंटीनों में भी छापेमारी की। जांच में खाने की प्लेटों पर कॉकरोच नजर आए, जिससे कैंटीन में साफ-सफाई के मानकों को लेकर चिंता पैदा हो गई है। इस परिसर में कई होटल हैं जहां विधायक ठहरते हैं, जो बेंगलुरु के बाहर से आते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग को लेजिस्लेटर्स हाउस में जांचे गए एक प्रतिष्ठान में घटिया गुणवत्ता वाला खाना और गंदगी मिली थी। जांच से पता चला है कि विभाग ने सरकारी इमारतों में चल रहे खाने-पीने के ठिकानों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया है। इनमें मंत्रियों, अधिकारियों और विधायकों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली जगहें भी शामिल हैं। यह कदम स्वास्थ्य विभाग द्वारा अपने ही मुख्यालय आरोग्य सौधा में चल रही कैंटीन में नियमों के उल्लंघन का पता चलने के बाद उठाया गया। अधिकारियों ने पाया कि आरोग्य सौधा की कैंटीन में साफ़-सफ़ाई का ध्यान नहीं रखा जा रहा था और कुछ खाने-पीने की चीज़ें एक्सपायरी हो चुकी थीं। जांच टीम ने यह भी पाया कि खाने-पीने की चीज़ों को फ़ूड सेफ़्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के नियमों के मुताबिक स्टोर नहीं किया जा रहा था। टीम ने यह भी पाया कि कीड़ों से बचाव के जरूरी उपाय नहीं किए गए थे।

कर्नाटक सरकार ने तंबाकू गुटखा, पान मसाला और निकोटीन पर लगाया बैन

-उत्पादों के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री पर एक साल तक रोक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने गुटखा, पान मसाला और तंबाकू-निकोटीन वाले उत्पादों पर एक साल की रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध सिर्फ बिक्री पर नहीं है। इसके साथ ही यह बैन बनाने में, स्टोर करने में, सामान को इधर से उधर भेजने-पहुंचाने में भी लागू रहेगा, जिसके बाद पूरे राज्य में जांच अभियान तेज कर दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक राज्य के खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने गुटखा, पान मसाला और तंबाकू या निकोटीन वाले दूसरे संबंधित उत्पादों के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने इन उत्पादों के निर्माण, भंडारण, ले जाने-पहुंचाने, वितरण और बिक्री पर एक साल के लिए रोक लगा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, विभाग ने 10 अगस्त को इस संबंध में अधिसूचना जारी की थी। इसमें कहा गया है कि यह रोक अधिसूचना जारी होने की तारीख से एक साल तक लागू रहेगी यानी कर्नाटक में इन प्रतिबंधित उत्पादों के कारोबार से जुड़े लोगों के लिए अब मुश्किलें बढ़ सकती है।

सरकार ने इस बार पूरी सप्लाई चेन को जांच के दायरे में रखा है। इसका मतलब है कि अगर कोई प्रतिबंधित उत्पाद बाजार में पहुंच रहा है, तो विभाग केवल दुकान तक पहुंचकर जांच नहीं करेगा। सामान कहां बना, कहां रखा और किस रास्ते से बाजार तक पहुंचा, इसकी भी जानकारी जुटाई जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को ऐसे उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री की जांच करने के निर्देश दिए हैं। विभाग का कहना है कि प्रतिबंधित उत्पादों का सर्कुलेशन रोकने के लिए नियमों को सख्ती से लागू किया जाएगा।

अधिसूचना जारी होने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने राज्यभर में कार्रवाई तेज कर दी है। फूड सेफ्टी अधिकारियों की निगरानी में जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसका मकसद प्रतिबंधित तंबाकू और निकोटीन वाले उत्पादों को बाजार में पहुंचने से रोकना है। सरकार ने इस अभियान में आम लोगों से भी सहयोग मांगा है। खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने अपील की है कि अगर किसी व्यक्ति को प्रतिबंधित तंबाकू या निकोटीन वाले उत्पादों के बनने, बिकने या बांटे जाने की जानकारी मिलती है तो वह संबंधित अधिकारियों को सूचना दे। विभाग का कहना है कि लोगों की भागीदारी से प्रतिबंधित उत्पादों की उपलब्धता रोकने में मदद मिलेगी। सरकार ने इसे स्वस्थ और नशा-मुक्त कर्नाटक की दिशा में उठाया गया कदम बताया है।

मेघालय में तीन महीने में एचआईवी के 574 नए मामले

शिलांग (एजेंसी)। मेघालय में वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 574 नए एचआईवी संक्रमण सामने आए हैं। इनमें 16 गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। राज्य में बढ़ते संक्रमण को देखते हुए मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी ने जागरूकता, जांच और रोकथाम के प्रयासों को तेज कर दिया है। मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी के आंकड़ों के मुताबिक, मेघालय में करीब 52 प्रतिशत एचआईवी संक्रमण आकस्मिक यौन संपर्क से जुड़े हैं। वहीं 32 प्रतिशत मामले नियमित पार्टनर या पति-पत्नी के माध्यम से हुए। संक्रमित सुई या सीरिंज साझा करने से नशीली दवाओं के इंजेक्शन उपयोग में 9 प्रतिशत, व्यावसायिक यौन संपर्क से 4 प्रतिशत और मां से बच्चे में संक्रमण के करीब 2.5 प्रतिशत मामले सामने आए हैं। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर शिलांग के लेडी कीन कॉलेज में स्टेटवाइड इंटेंसिफाइड आईईसी कैंपेन 3.0 की शुरुआत की गई। स्वास्थ्य मंत्री वाइलाडमिकि शायला ने कहा कि एचआईवी के खिलाफ लड़ाई केवल मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी की जिम्मेदारी नहीं है। सरकार, शिक्षण संस्थानों, समुदायों, स्वास्थ्यकर्मियों और युवाओं की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। अभियान के तहत 126 गांव, 3,000 स्कूल और 85 कॉलेज तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा 15 हजार घरों में जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। फ्लैश मॉब, स्वास्थ्य शिविर और अन्य जन-जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। मेघालय एड्स कंट्रोल सोसाइटी के परियोजना निदेशक डॉ. के.एल. इआबोर ने कहा कि HIV को लेकर गलत जानकारी और सामाजिक भेदभाव अभी भी बड़ी चुनौती है। उन्होंने शुरुआती जांच और समय पर उपचार के महत्व पर जोर दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने एचआईवी/एड्स से निपटने के लिए पांच वर्षीय योजना को मंजूरी दी है। अभियान में सुरक्षित व्यवहार, संक्रमित सुई से बचाव, मां से बच्चे में संक्रमण की रोकथाम और संक्रमित रक्त से बचाव पर विशेष जोर दिया जाएगा।

सीएम धामी के सामने ताइक्कांडो खिलाड़ी के बयान पर मचा बवाल

-बाद में वीडियो जारी कर दी सफाई

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और एक ताइक्कांडो खिलाड़ी के बीच बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में सीएम धामी मीडिया के सामने छात्र-छात्राओं से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान खिलाड़ी छात्रा ने मुख्यमंत्री को जो कहानी सुनाई, उसने सियासी गलियारों में विवाद खड़ा कर दिया। हालांकि, विवाद बढ़ता देख छात्रा ने एक नया वीडियो जारी कर अपनी बात पर सफाई दी है और कहा कि वह कार्यक्रम में अपनी पूरी बात नहीं रख पाई थी।

पहले वायरल वीडियो में छात्रा ने सीएम धामी से शिकायत करते हुए कहा था कि वह लोकल नेशनल खेलने गई थी जहां उसका गोल्ड मेडल आया और इंटरनेशनल के लिए सिलेक्शन हुआ, लेकिन वहां डेढ़ लाख रुपये की मांग की जा रही थी, जिस वजह से वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले सकी। इस पर मुख्यमंत्री ने उसे आश्वासन देते हुए बैठने को कहा था। यह वीडियो सामने आने के बाद खेल व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे। विवाद बढ़ने पर छात्रा ने खुद एक नया वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया। उसने स्पष्ट किया कि वह सिया गर्ल्स स्कूल में 12वीं की छात्रा है और 10 तारीख को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में पूरी बात नहीं रख पाई थी। उसने बताया कि वह नेशनल खेलने जम्मू गई थी, जहां से रोमानिया में होने वाली प्रतियोगिता के लिए उसका सिलेक्शन हुआ था। फेडरेशन उसे 1 लाख 70 हजार रुपये दे रही थी, लेकिन बाकी का खर्च उसे खुद उठाना था। उसने यह बात अपने स्कूल में किसी को नहीं बताई थी, जिस कारण वह प्रतियोगिता में नहीं जा सकी। इस सफाई के बाद पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो गई है।

हिमाचल में कहर: 163 लोगों की मौत और 910 करोड़ का नुकसान

14 अगस्त से फिर भारी बारिश का अलर्ट

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में लगातार जारी बारिश के बीच लोगों को बुधवार को कुछ देर के लिए राहत मिली थी और राजधानी शिमला सहित कई इलाकों में धूप खिली थी। हालांकि, यह राहत ज्यादा लंबी नहीं टिकने वाली है। मौसम विज्ञान केंद्र ने 14 अगस्त से प्रदेश में मानसूनी बारिश के फिर से रौद्र रूप दिखाने का अंदेशा जताया है। मौसम विभाग ने कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का नया येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और अचानक जलस्तर बढ़ने का बड़ा खतरा बना हुआ है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने लोगों और पर्यटकों को सतर्क रहने की अपील की है। प्राकृतिक आपदाओं का यह दौर कितना भयानक रहा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राज्य आपदा प्रबंधन के अनुसार 30 जून से लेकर अब तक मानसून सीजन में कुल 163 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें 70 मौतें प्राकृतिक आपदाओं और 93 मौतें सड़क हादसों के कारण हुई हैं, जबकि 257 लोग घायल हुए हैं।

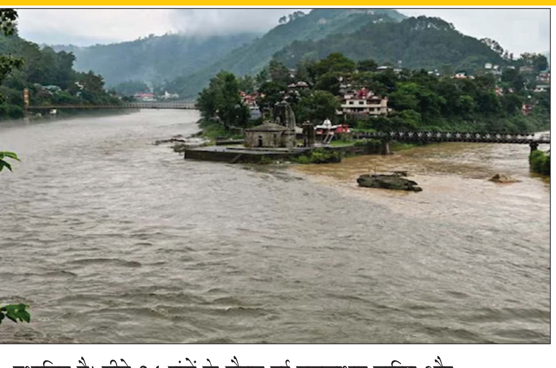

लगातार हो रही बारिश के कारण प्रदेश का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। बीते 24 घंटों के दौरान हुई मूसलाधार बारिश और लैंडस्लाइड की वजह से 313 सड़कें यातायात के लिए बंद हो चुकी हैं। इसके अलावा, 112 ट्रांसफार्मर ठप पड़ने से कई इलाकों में बिजली गुल है, जबकि 65 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। आपदाओं की इस फेहरिस्त में कई दिल दहलाने वाली घटनाएं भी सामने आई हैं। हाल ही में सिरमौर जिले के राजगढ़ क्षेत्र में बिना बारिश के ही एक तीन मंजिला मकान अचानक ढह गया, जिससे मलबे में दबकर एक महिला और उसकी गर्भवती बेटी की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, सोलन के पास नेशनल हाईवे पर कार पर पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की जान चली गई थी और उसका परिवार घायल हो गया था। इसके अलावा, राज्य भर में सैकड़ों पक्के और कच्चे मकान पूरी तरह या आंशिक रूप से जमींदोज हो चुके हैं, और पशुशालाओं तथा पशु-पक्षियों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। राजस्व विभाग और स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन्स सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार, इस मानसून सीजन में अब तक हिमाचल को बुनियादी ढांचे और निजी संपत्तियों को मिलाकर 910 करोड़ रुपये से अधिक का भारी-भरकम आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। लोक निर्माण, जल शक्ति, बिजली और बागवानी समेत कई विभागों की संपत्तियों को क्षति पहुंची है। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि 15 से 18 अगस्त तक भी बारिश का यह दौर जारी रहने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन ने लोगों को एहतियात के तौर पर नदी-नालों और भूस्खलन संभावित इलाकों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है।

प्रियंका गांधी के 'गोमूत्र एक्सपर्ट' बयान के खिलाफ ऑनलाइन पिटीशन

-आईआईटी मद्रास निदेशक वी. कामकोटी के समर्थन में 38 देशों के वैज्ञानिकों समेत 14 हजार से अधिक लोगों के हस्ताक्षर का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी को लेकर दिए गए कथित 'गोमूत्र एक्सपर्ट' बयान पर विवाद बढ़ता जा रहा है। इस टिप्पणी के खिलाफ शुरू की गई ऑनलाइन पिटीशन पर अब तक 14 हजार से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। याचिका में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मामले का संज्ञान लेने की मांग करते हुए प्रियंका गांधी से अपनी टिप्पणी वापस लेने और माफी मांगने की अपील की गई है।

यह ऑनलाइन पिटीशन एक अगस्त को चेंज डॉट ओआरजी पर शुरू की गई थी। आयोजकों के अनुसार, इसे देश के विभिन्न राज्यों और शिक्षण संस्थानों से समर्थन मिल रहा है। इसके अलावा दावा किया जारहा है कि 38 से अधिक देशों में रह रहे भारतीय वैज्ञानिकों ने भी याचिका का समर्थन किया है। आयोजकों ने इसे वैज्ञानिक और अकादमिक समुदाय की चिंता से जुड़ा मामला बताया है।

संसद में टिप्पणी से शुरू हुआ विवाद

दरअसल, संसद की कार्यवाही के दौरान प्रियंका गांधी ने आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी के लिए 'गोमूत्र एक्सपर्ट' शब्द का इस्तेमाल किया था। इसके बाद उनके बयान को लेकर विवाद शुरू हो गया। याचिका शुरू करने वालों ने टिप्पणी को व्यक्तिगत और अपमानजनक बताते हुए इसका विरोध किया है। आयोजकों का कहना है कि किसी वैज्ञानिक या शिक्षाविद् की आलोचना उसके काम, शोध और विचारों के आधार पर होनी चाहिए, न कि व्यक्तिगत टिप्पणियों के जरिए। उनका दावा है कि इस तरह की भाषा से प्रतिष्ठित वैज्ञानिक की व्यक्तिगत गरिमा प्रभावित होती है और उस संस्थान की प्रतिष्ठा पर भी असर पड़ सकता है, जिसका वे नेतृत्व कर रहे हैं।

स्पीकर से संज्ञान लेने की मांग

याचिका के माध्यम से लोकसभा अध्यक्ष से मामले पर संज्ञान लेने की मांग की गई है। साथ ही प्रियंका गांधी से टिप्पणी वापस लेने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की अपील की गई है। इस मुद्दे ने राजनीतिक बयानबाजी के साथ-साथ वैज्ञानिक और अकादमिक समुदाय में सार्वजनिक संवाद की मर्यादा को लेकर भी बहस छेड़ दी है।

4.8 करोड़ श्रद्धालुओं के जाने के बाद हरिद्वार में निकला 7000 टन कूड़ा!

-कांवड़ यात्रा के बाद कचरे का अंबार, सफाई में जुटा प्रशासन

हरिद्वार (एजेंसी)। उत्तराखंड के हरिद्वार में इस बार करीब 4.8 करोड़ श्रद्धालुओं ने यात्रा पूरी की, जिसमें केवल अंतिम दो दिनों में ही एक करोड़ से अधिक लोग शामिल हुए। यात्रा के दौरान चारों ओर भोले के जयकारे गूंजते रहे और भक्ति का माहौल रहा। हालांकि, यात्रा के समापन के बाद हरिद्वार प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। कांवड़ियों के लौटने के बाद गंगा घाटों, पार्किंग स्थलों और कैंपों में भारी मात्रा में कूड़े-कचरे का अंबार लग गया है।

प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो हफ्तों के भीतर शहर में लगभग 7,000 मीट्रिक टन कचरा जमा हो गया है। गंगा के पवित्र घाटों, जहां श्रद्धालु स्नान करते हैं, वहां बड़ी मात्रा में पुराने कपड़े, जूते-चप्पल, पॉलीथिन, प्लास्टिक की बोतलें और खाने-पीने का सड़ा हुआ सामान पड़ा मिला। इससे न केवल गंदगी फैली है, बल्कि घाटों पर बदबू का आलम भी बना हुआ है। शहर की सफाई व्यवस्था पर इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सामान्य दिनों में हरिद्वार प्रशासन प्रतिदिन लगभग 250 टन कचरा ही संभालता है, लेकिन इस बार स्थिति बेहद विकट हो गई है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम ने युद्धस्तर पर सफाई अभियान शुरू किया है। इस महा-अभियान में एक हजार से अधिक कर्मचारियों को तैनात किया गया, जो लगातार 24 घंटे काम कर रहे हैं। कचरे के इस विशाल ढेर को हटाने के लिए बड़ी मशीनों का सहारा लिया गया और 89 से अधिक बड़े ट्रकों के माध्यम से कचरे को शहर से बाहर भेजा गया। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि यात्रा के स्वरूप में बदलाव आया है। पहले यह यात्रा शांत और श्रद्धापूर्ण होती थी, लेकिन अब इसमें शोर-शराबा और बड़े वाहनों का उपयोग बढ़ गया है, जिससे अव्यवस्था और गंदगी भी बढ़ी है। फिलहाल, सुभाष घाट, नई घाट, अलकनंदा और विष्णु घाट जैसे प्रमुख स्थानों को लगभग 95 प्रतिशत तक साफ कर लिया गया है। प्रशासन की प्राथमिकता जल्द से जल्द पूरे शहर को स्वच्छ बनाने की है ताकि आम लोगों और पर्यटकों को होने वाली असुविधा से निजात दिलाई जा सके।

आधुनिक युद्धों में आर्थिक और सामरिक क्षमताओं पर किया जा रहा है प्रहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बदलते समय के साथ युद्धों की रणनीति में भी तेजी से बदलाव आ रहा है। अब युद्ध सीमाओं पर सैनिकों की लड़ाई तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि विरोधी देश की आर्थिक और सामरिक क्षमताओं पर प्रहार किया जा रहा है। विरोधी देश को कमजोर करने के लिए उसके महत्वपूर्ण ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया जा रहा है।

आधुनिक युद्ध में तेल रिफाइनरियां, गैस पाइपलाइन, बिजली संयंत्र, ऊर्जा भंडारण केंद्र और समुद्री तेल परिवहन मार्ग सबसे संवेदनशील लक्ष्य बनकर उभरे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी देश की ऊर्जा व्यवस्था को बाधित कर उसकी सैन्य क्षमता, अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर एक साथ प्रभाव डाला जा सकता है। हाल के वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान से जुड़े क्षेत्रीय तनावों ने इस बदलती रणनीति को स्पष्ट रूप से सामने रखा है। इन संघर्षों में ऊर्जा से जुड़े प्रतिष्ठानों पर हमलों की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनका उद्देश्य केवल भौतिक नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि विरोधी देश की युद्ध क्षमता और आर्थिक संसाधनों को प्रभावित करना भी है। इससे यह संकेत मिलता है कि आधुनिक युद्ध में ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला अब किसी भी देश की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक संपत्तियों में शामिल हो चुकी है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि किसी देश की तेल आपूर्ति बाधित हो जाती है या उसकी रिफाइनरियां और गैस नेटवर्क प्रभावित होते हैं, तो इसका असर केवल सैन्य अभियानों तक सीमित नहीं रहता। सेना के टैंक, लड़ाकू विमान, बख्तरबंद वाहन और अन्य सैन्य संसाधन ईंधन पर निर्भर होते हैं। वहीं दूसरी ओर, तेल निर्यात से होने वाली आय कई देशों के लिए युद्ध संचालन का प्रमुख आर्थिक स्रोत होती है। ऐसे में ऊर्जा अवसंरचना को नुकसान पहुंचने से राजस्व में कमी आती है और युद्ध संचालन की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान यूक्रेन ने लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन के जरिए रूस के भीतर स्थित कई तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। विभिन्न हमलों के बाद कई ऊर्जा केंद्रों में आग लगने और उत्पादन प्रभावित होने की खबरें सामने आईं।

इन घटनाओं ने यह दिखाया कि आधुनिक ड्रोन तकनीक के जरिए दूर स्थित रणनीतिक ठिकानों तक भी पहुंच बनाई जा सकती है। इसी प्रकार, पश्चिम एशिया में ईरान से जुड़े तनावों के दौरान ऊर्जा संयंत्रों, गैस नेटवर्क और बिजली अवसंरचना को लेकर भी लगातार सुरक्षा चिंताएं बनी रही हैं। ऊर्जा ढांचे पर संभावित हमलों और उनके जवाबी प्रभावों को लेकर क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर लगातार चर्चा होती रही है। विश्लेषकों का मानना है कि ऊर्जा संसाधनों पर बढ़ती निर्भरता ने युद्ध की परिभाषा को बदल दिया है। यदि तेल आपूर्ति बाधित होती है, समुद्री मार्ग प्रभावित होते हैं या ऊर्जा उत्पादन ठप पड़ता है, तो उसका असर केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों, महंगाई, आपूर्ति श्रृंखला और विश्व अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बाली में आग और ऊंची लहरों के बीच फंसा जहाज, 106 यात्रियों को बचाया गया; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। इंडोनेशिया के टूरिस्ट आइलैंड बाली के पास बुधवार को ऊंची लहरों के बीच एक पैसेंजर जहाज में आग लग गया। जिसमें 106 को बचाया गया है। इसके साथ ही आग बुझाने की कोशिशें की जा रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि बचाव दल और वहां से गुजर रहे जहाजों ने 106 लोगों को बचा लिया था। वहीं, वे जलते हुए जहाज से बाकी 25 लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे है। मताराम सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख मुहम्मद हरियादी ने कहा, 'हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों की सुरक्षा है।' उन्होंने बताया कि समुद्र में उथल-पुथल और 4 मीटर (13 फीट) तक ऊंची लहरों के कारण बचाव कार्य में मुश्किल आ रही थी। प्रांतीय राजधानी मताराम में मौजूद सर्च ऑफिस के अनुसार, आग सुबह करीब 4:15 बजे लगी। उस समय 'पुत्री यास्मीन' जहाज बाली के पाडांग बाई पोर्ट से वेस्ट नुसा तेंगारा प्रांत के पड़ोसी द्वीप लोम्बोक के लेम्बर पोर्ट जा रहा था। एजेंसी को लगभग आधे घंटे बाद इमरजेंसी रिपोर्ट मिली और उसने तुरंत अपने कर्मचारियों और बचाव जहाजों को काम पर लगा दिया। हरियादी ने बताया कि बचाव अभियान में इंडोनेशियाई नौसेना के जहाज, पेट्रोल बोट, बचाव नौकाएं और हवाई सर्वे के लिए एक हेलीकॉप्टर शामिल थे। हरियादी ने पाडांग बाई पोर्ट अथॉरिटी से मिली यात्री सूची के आधार पर बताया कि जहाज में 114 यात्री और 17 क्रू सदस्य सवार थे। इसके साथ ही जहाज में 44 गाड़ियां और 53 मोटरसाइकिलें भी लदी हुई थीं।

अमेरिकी कोर्ट ने पन्नू केस के आरोपी निखिल गुप्ता की सजा की तारीख बदली, अब कब होगा फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का जुर्म कबूल करने वाले निखिल गुप्ता की सजा सुनाने की तारीख 20 नवंबर तक टाल दी है। न्यूयॉर्क के सदर्न डिस्ट्रिक्ट की फेडरल कोर्ट ने पहले गुप्ता को सजा सुनाने के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की थी, लेकिन जिसकी हत्या की साजिश रची गई थी उस व्यक्ति के अनुरोध पर सुनवाई को टाल दिया गया। हालांकि कोर्ट में दाखिल दस्तावेजों में पीड़ित का नाम नहीं है, लेकिन पन्नू के वकील ने सार्वजनिक रूप से खुद को कथित हत्या की साजिश का निशाना बताया है। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय के समक्ष दायर एक पत्र में, सरकारी वकीलों ने बताया कि जिस पीड़ित का नाम नहीं बताया गया है। वह सजा सुनाए जाने की प्रक्रिया में शामिल होना चाहता है। उन्होंने 25 सितंबर को होने वाली सुनवाई को टालने का अनुरोध किया क्योंकि उस समय वह देश से बाहर होगा। जज विक्टर मरेरो ने यह अनुरोध मान लिया और गुप्ता को सजा सुनाने की तारीख बदलकर 20 नवंबर को सुबह 10 बजे कर दी। 13 फरवरी को गुप्ता ने पन्नू की हत्या की साजिश के संबंध में हत्या के लिए सुपारी देने, हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश रचने और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश रचने के तीनों आरोपों में दोषी होने की बात स्वीकार कर ली। सुपारी लेकर हत्या करने के आरोप में अधिकतम 10 साल की जेल की सजा हो सकती है।

उत्तर कोरिया ने फिर दागी संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल, जापान बोला- समुद्र में गिरी; क्यों बढ़ा तनाव

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने बुधवार को अपने पूर्वी तट से जापान सागर की ओर एक संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल दागी। जापान के रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक, संदिग्ध मिसाइल समुद्र में गिर गई। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब एक सप्ताह से भी कम समय में उत्तर कोरिया की ओर से दूसरी बार इस तरह के हथियार का परीक्षण किया गया है। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप ने वहां की सेना के हवाले से बताया कि उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से एक अज्ञात प्रक्षेप्य का प्रक्षेपण किया। दक्षिण कोरियाई सेना ने इस प्रक्षेपण की जानकारी ऐसे समय में दी है, जब क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों को लेकर तनाव बना हुआ है। उत्तर कोरिया का यह प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया और अमेरिका की ओर से अगले सप्ताह वार्षिक बड़े पैमाने का सैन्य अभ्यास शुरू करने की घोषणा के दो दिन बाद हुआ है। दोनों देशों का कहना है कि इस अभ्यास का उद्देश्य उत्तर कोरिया से जुड़े संभावित खतरों से निपटने के लिए अपनी सैन्य तैयारियों को मजबूत करना है। 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' नाम से होने वाले इस सैन्य अभ्यास को लेकर उत्तर कोरिया की प्रतिक्रिया पर भी नजर है। प्योंगयांग लंबे समय से अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों का विरोध करता रहा है।

तालिबानी शासन के पांच साल: अफगान महिलाओं से छिना पढ़ने, काम करने और सपने देखने का हक; कैसे जिंदा हैं उम्मीदें

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान शासन के पांच साल पूरे होने के बीच वहां की लड़कियों और महिलाओं की जिंदगी पर पाबंदियों की तस्वीर सामने आई है। पढ़ाई, नौकरी और आजादी के रास्ते बंद होने के बावजूद कई महिलाएं अपने सपनों को बचाने की कोशिश कर रही हैं। बल्ख की 23 वर्षीय सोफिया मालेक चोरी-छिपे ऑनलाइन कक्षाएं लेकर साहित्य पढ़ रही हैं और उपन्यास लिख रही हैं, जबकि हेरात की पूर्व महिला सैनिक पारस्तो को अपनी वर्दी तक छोड़नी पड़ी। इन महिलाओं की कहानियां बताती हैं कि पाबंदियों के बीच भी पढ़ने, लिखने और अपने पैरों पर खड़े होने की इच्छा खत्म नहीं हुई है।

तालिबान के शासन में महिलाओं की जिंदगी कैसे बदल गई : तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान में लड़कियों और महिलाओं के सामने कई तरह की पाबंदियां खड़ी हो गईं। पढ़ाई और काम के अवसर सीमित हुए तो उनके लिए सामान्य जीवन जीना भी मुश्किल हो गया। कई महिलाओं को अपने पुराने काम और पहचान से हाथ धोना पड़ा। हेरात की रहने वाली पारस्तो छह साल तक समर्पित सैनिक के तौर पर अफगानिस्तान की सेवा कर चुकी थीं। लेकिन तालिबान के सत्ता में आने के बाद उन्हें और उनकी महिला साथियों को बुलाकर वर्दी सौंपने के लिए कहा गया। उनके मुताबिक, वर्दी छिनने का एहसास ऐसा था जैसे उनसे जीने का अधिकार ही छीन लिया गया हो।

पूर्व महिला सैनिक पारस्तो आज किस डर में जी रहीं : पारस्तो के मुताबिक, तालिबान के लोगों की ओर से उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उनके पति को भी तालिबान के लोग बुलाकर पूछताछ करते हैं कि उन्होंने कितने तालिबानियों को मारा था। ऐसे माहौल में उनका रोज का जीवन डर में बीत रहा है। सुबह घर का काम पूरा करने के बाद वह काम की तलाश में निकलती हैं और फिर पति के सुरक्षित घर लौटने की चिंता करती हैं। उनके लिए पुरानी नौकरी और सैनिक की पहचान अब अतीत बन चुकी है।

सोफिया मालेक पढ़ने-लिखने का सपना कैसे बचा रहीं : उत्तरी अफगानिस्तान की रहने वाली 23 वर्षीय सोफिया मालेक उन महिलाओं में हैं जो पाबंदियों के बावजूद अपने सपनों को छोड़ना नहीं चाहतीं। वह अंडरकवर पत्रकार के तौर पर लोगों से मिलती हैं, उनकी कहानियां दर्ज करती हैं और उन्हें दुनिया के सामने लाने की कोशिश करती हैं। इसके साथ ही वह चोरी-छिपे ऑनलाइन कक्षाएं ले रही हैं और साहित्य की समझ बढ़ा रही हैं। वह एक उपन्यास भी लिख रही हैं। उनके लिए पढ़ना, लिखना और सृजन करना ऐसा सपना है जिसे कोई तब तक नहीं छीन सकता, जब तक इंसान खुद उसे छोड़ न दे।

सोफिया को हर दस्तक से डर क्यों : सोफिया के लिए अपने काम को जारी रखना आसान नहीं है। उनके मुताबिक, हर समय पकड़े जाने का डर बना रहता है। जब भी घर के दरवाजे पर कोई दस्तक देता है तो उनकी धड़कनें तेज हो जाती हैं। वह अपना लैपटॉप गद्दे के नीचे छिपा देती हैं। तालिबानी अधिकारी उनके घर की कई बार तलाशी भी ले चुके हैं। इसके बावजूद वह लोगों से मिलती हैं, उनकी कहानियां लिखती हैं और अपनी पढ़ाई जारी रखती हैं। कभी-कभी अपनी पसंद की किताब खरीदने के लिए बुकशॉप जाना भी उनकी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बन गया है।

अफगानिस्तान छोड़ चुकी महिलाओं को पीछे छूटी सहेलियों की चिंता क्यों : साल 2021 में काबुल छोड़कर अमेरिका पहुंचीं अफगान मूल की मुर्सल रहीम ने भी वहां की महिलाओं की स्थिति को लेकर अपनी पीड़ा साझा की है। उनका कहना है कि अमेरिका में शिक्षा, नौकरी और स्वतंत्रता का आनंद लेते हुए उन्हें अपनी उन सहेलियों की याद आती है, जो अब भी अफगानिस्तान में कैदियों जैसा जीवन जी रही हैं। अमेरिका में शरण मिलना उनके लिए राहत की बात रही, लेकिन उन्हें इस बात का अपराध-बोध भी रहता है कि वह किस्मत से बाहर निकल पाईं, जबकि उनकी कई साथी आज भी पाबंदियों के बीच जिंदगी गुजार रही हैं। अफगानिस्तान की इन महिलाओं की कहानियां दिखाती हैं कि पाबंदियां उनके रास्ते को मुश्किल बना सकती हैं, लेकिन उनकी इच्छा को पूरी तरह खत्म नहीं कर पाई हैं। कोई चोरी-छिपे पढ़ाई कर रही है, कोई अपनी कहानी दुनिया तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है और कोई देश से बाहर निकलने के बाद भी वहां फंसी महिलाओं के लिए आवाज उठा रही है। मुर्सल रहीम ने अमेरिकी सरकार से भी अपील की है कि संकट में फंसी अफगान महिलाओं को भुलाया नहीं जाए।

रूस से तेल खरीद पर 100% टैरिफ का खतरा, यूएस अधिकारी बोले- पीएम मोदी और ट्रंप खुद सुलझाएंगे मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर संभावित 100 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के मुद्दे पर अमेरिका की ओर से अहम बयान आया है। अमेरिकी व्यापार एवं विनिर्माण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच अच्छे कामकाजी संबंध हैं और दोनों नेता इस मुद्दे को आपस में सुलझा लेंगे। नवारो ने एएनआई के सवाल के जवाब में कहा कि इस मामले में उन्हें या किसी अन्य अधिकारी को दोनों नेताओं के बीच आने की जरूरत नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे पर समाधान निकाल लेंगे।

क्या रूस से तेल खरीद पर भारत पर लग सकता है 100 फीसदी टैरिफ : यह मामला अमेरिकी सीनेट में पारित एक द्विदलीय विधेयक के बाद चर्चा में आया है। 7 अगस्त को अमेरिकी सीनेट ने ऐसा विधेयक पारित किया, जिसके तहत राष्ट्रपति ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीद जारी रखने वाले देशों के सामान पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल सकता है। सीनेट में लिंडसे ओ ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026 को 86-11 के भारी बहुमत से मंजूरी मिली। इस प्रस्ताव का उद्देश्य रूस और ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाना तथा मॉस्को के साथ बड़े ऊर्जा कारोबार वाले देशों को निशाना बनाना है।

क्या भारत रूस से तेल खरीदने वाले प्रमुख देशों में शामिल है : प्रस्ताव के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस के शीर्ष पांच खरीदार देशों से आने वाले सामान पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार दिया जा सकता है। भारत और चीन रूस के कच्चे तेल के बड़े खरीदारों में शामिल हैं। विधेयक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य वरिष्ठ राजनीतिक एवं सैन्य अधिकारियों के अलावा वित्तीय संस्थानों, ऊर्जा परियोजनाओं और रूस के युद्ध प्रयासों से जुड़े संस्थानों पर नए प्रतिबंधों का भी प्रावधान है।

क्या भारत ने 2022 के बाद रूस से तेल खरीद बढ़ाई : रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से रियायती कीमतों पर कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई। वैश्विक बाजार में अस्थिरता के बीच सस्ता रूसी कच्चा तेल भारतीय रिफाइनरियों के लिए लागत को बेहतर ढंग से संभालने और घरेलू आपूर्ति बनाए रखने में मददगार रहा। अमेरिकी प्रस्ताव के तहत रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों के सामने एक तरह से रूस से रियायती ऊर्जा खरीद जारी रखने या अमेरिकी बाजार तक पहुंच बनाए रखने के बीच विकल्प खड़ा हो सकता है।

जिम्बाब्वे की करिबा झील में पलटी नाव, 15 की मौत; 27 लोग अब भी लापता

हरारे,एजेंसी। जिम्बाब्वे की करिबा झील में क्षमता से ज्यादा यात्रियों से भरी एक नाव पलट गई। हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी जानकारी देते हुए बताया कि 77 लोगों को बचा लिया गया और उन्हें झील में मौजूद एक द्वीप पर ले जाया गया।

जिम्बाब्वे की सिविल प्रोटेक्शन यूनिट ने बताया कि टिकट बिक्री के रिकॉर्ड के आधार पर नाव में 114 वयस्क यात्री और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे। हालांकि, टिकट की उम्र सीमा से कम उम्र के बच्चों की संख्या अज्ञात हो सकती है और उनका रिकॉर्ड दर्ज नहीं हुआ होगा। एजेंसी ने बताया कि नाव की क्षमता 90 लोगों की थी। स्थानीय सांसद मुत्सा मुरोम्बेडजी ने एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि इसमें लोग किनारे पर खड़े होकर यात्रा शुरू करने वाली पुरानी नाव को विदा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों के लोग झील के रास्ते करिबा शहर जाने के लिए इस नाव का इस्तेमाल करते हैं। वीडियो के मुताबिक, किनारे पर मौजूद कुछ लोग इस बात को लेकर भी चिंतित थे कि झील में तेज लहरों के बीच नाव सुरक्षित रह पाएगी या नहीं। इससे पहले जिम्बाब्वे पुलिस ने बताया था कि बचाव अभियान चल रहा है, लेकिन उसने घटना से जुड़ी कोई अन्य जानकारी नहीं दी थी। जिम्बाब्वे के सरकारी प्रसारक जेडबीसी ने वीडियो जारी किया, जिसमें स्पीडबोट झील में पलटी हुई दिखाई दे रही एक नाव की ओर जाते नजर आ रही हैं। इसके ऊपर एक हेलीकॉप्टर भी मंडराता दिखाई दिया। दक्षिणी अफ्रीका में स्थित करिबा झील जिम्बाब्वे और उसके पड़ोसी देश जाम्बिया की सीमा का हिस्सा है। यह पानी की मात्रा के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील है। इसे 1950 के दशक के अंत और 1960 के दशक की शुरुआत में जाम्बेजी नदी पर बांध बनाकर तैयार किया गया था। बांध के कारण घाटी में धीरे-धीरे पानी भरता गया और विशाल झील का निर्माण हुआ। यह झील अब 200 किलोमीटर से अधिक लंबी और कुछ स्थानों पर 40 किलोमीटर तक चौड़ी है।

हूती हमले में छह की मौत: जहाज पर दो बार दागी मिसाइल, बचाव दल को भी बनाया निशाना; लाल सागर में क्यों बढ़ा खतरा

यमन, एजेंसी। लाल सागर के बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए मिसाइल हमले में कम से कम छह लोगों की मौत की खबर सामने आई है। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने इस हमले के लिए ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया है। बताया गया है कि हूतियों ने खाद्य सामग्री ले जा रहे छोटे मालवाहक जहाज 'तिहामा' पर तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हमले के बाद जहाज में आग लग गई।

जहाज पर हमला कैसे हुआ और कितने लोगों की मौत हुई : यमन के परिवहन मंत्रालय के अनुसार मिसाइल हमले के बाद लगी आग में चालक दल के चार सदस्यों की मौत हुई। इनमें तीन पाकिस्तानी और एक इंडोनेशियाई नागरिक बताया गया है। चार अन्य चालक दल सदस्य घायल हुए। एक बचावकर्मी के घायल होने की भी जानकारी दी गई है। इसके बाद जब जहाज पर सवार लोगों को बचाने के लिए खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया, तब जहाज को दूसरी बार निशाना बनाया गया। यमनी अधिकारियों ने इस दूसरे हमले को बचाव दल समेत जहाज पर मौजूद लोगों की जान खतरे में डालने वाला बताया।

दूसरे हमले में बचावकर्मियों को भी बनाया गया निशाना : यमन के तटरक्षक बल ने बाद में पुष्टि की कि मृतकों में दो बचावकर्मी भी शामिल थे। इस तरह हमले में मरने वालों की संख्या छह हो गई। घटना को इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि दूसरा हमला उस समय हुआ, जब पहले हमले के बाद राहत और बचाव का काम चल रहा था। इससे जहाज पर मौजूद लोगों के साथ-साथ मदद के लिए पहुंचे बचावकर्मियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

जहाज के मालिकाना हक को लेकर क्या सामने आया : हमले के बाद जहाज के मालिकाना हक को लेकर शुरुआती जानकारी में भ्रम की स्थिति रही। यमनी अधिकारियों और समुद्री खुफिया समूह की शुरुआती जानकारी में कहा गया कि निशाना बनाया गया जहाज सऊदी अरब के स्वामित्व वाला था। हालांकि उपलब्ध समुद्री डेटा के मुताबिक तिहामा तंजानिया के झंडे के नीचे चल रहा था। जहाज के स्वामित्व से जुड़ी कंपनियां मिस्र और यमन में पंजीकृत बताई गई हैं। इससे जहाज की पहचान और उसके संचालन को लेकर शुरुआती दावों में अंतर सामने आया है। इस घटना के बीच सऊदी अरब के जजान में अरामको रिफाइनरी पर हूतियों के हमले का भी जिक्र सामने आया है। उनके मुताबिक यह कार्रवाई सऊदी अरब की ओर से सादा और हज्जाह प्रांतों में किए गए ड्रोन अभियानों के जवाब में की गई।

होर्मुज में अमेरिकी कार्रवाई तेज, ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी तोड़ने वाले जहाज पर किया हमला

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए ओमान की खाड़ी में एक जहाज पर सैन्य कार्रवाई की है। अमेरिकी सेना के मुताबिक, पनामा के झंडे वाला यह जहाज ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि जहाज को रुकने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसने आदेश नहीं माना। इसके बाद अमेरिकी हेलीकॉप्टर ने जहाज के इंजन रूम में मिसाइलें दागीं, जिससे जहाज चलने में असमर्थ हो गया।

अमेरिका ने जहाज पर हमला क्यों किया : अमेरिकी सेना के अनुसार, एमवी वेला नोवा नाम का जहाज ईरानी बंदरगाहों पर लगी अमेरिकी नाकाबंदी को पार करने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि जहाज को रुकने के लिए चेतावनी दी गई थी, लेकिन उसने चेतावनी नहीं मानी। इसके बाद अमेरिकी हेलीकॉप्टर ने उसके इंजन रूम को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। हमले के बाद जहाज निष्क्रिय हो गया। हालांकि, अमेरिकी सेना ने यह नहीं बताया कि जहाज पर मौजूद चालक दल के किसी सदस्य को नुकसान पहुंचा या नहीं।

अमेरिका ने नाकाबंदी लागू करने के लिए अब तक क्या कार्रवाई की

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, उसने नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिश करने वाले 55 वाणिज्यिक जहाजों का रास्ता बदलवाया है। इसके अलावा तीन ऐसे जहाजों को निष्क्रिय किया गया, जिन्होंने अमेरिकी आदेशों का पालन नहीं किया। दो जहाजों पर अमेरिकी सेना ने सवार होकर कार्रवाई भी की है। इससे साफ है कि अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर अपनी नाकाबंदी को लागू कराने के लिए सैन्य दबाव लगातार बढ़ा रहा है।

अरब सागर में अमेरिका की कितनी सैन्य ताकत मौजूद है

अमेरिकी नौसेना के 15 से अधिक युद्धपोत फिलहाल अरब सागर के आसपास के समुद्री क्षेत्र में तैनात हैं। इनमें दो विमानवाहक पोत और एक उभयचर हमला करने वाला जहाज भी शामिल है। यह सैन्य तैनाती ऐसे समय में है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर आर्थिक दबाव बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। ओमान की खाड़ी में जहाज पर हुई कार्रवाई से संकेत मिलता है कि ईरान पर दबाव सिर्फ आर्थिक और राजनीतिक स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री मार्गों पर भी अमेरिकी निगरानी और कार्रवाई तेज हो गई है।

'मुझे बहुत धमकियां मिलती हैं': राष्ट्रपति ट्रंप ने माना तुर्किये में ट्रक में छिपकर बदला था विमान; क्या कहा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरान पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। उन्होंने कह, 'ईरान पर भरोसा करने वाला मैं आखिरी व्यक्ति हूं। उन्होंने लगातार मुझसे झूठ बोला है।' ट्रंप ने कहा कि इस समय होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का पूरी तरह नियंत्रण है। उन्होंने कहा, उनका (ईरान) नियंत्रण नहीं है। हमारा पूरा नियंत्रण है। यह हमारे कब्जे में है। ट्रंप ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसी समय ईरान ने कुछ करने की कोशिश की, तो उसे 'उड़ा दिया' जा सकता है। उन्होंने कहा, 'अभी हम बहुत अच्छी स्थिति में हैं।

ट्रंप ने की तुर्किये में विमान बदलने की पुष्टि : एक अन्य बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी सुरक्षा को लेकर कहा कि वह सीक्रेट सर्विस और सेना के निर्देशों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूरी तरह सीक्रेट सर्विस पर निर्भर करता है और वह वही करते हैं जो सीक्रेट सर्विस उनसे करने के लिए कहती है। ट्रंप ने बताया कि सीक्रेट सर्विस ने उन्हें एक अलग उड़ान और अलग विमान से जाने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि वह विमान भी उतना ही सुरक्षित था। लेकिन सीक्रेट सर्विस चाहती थी कि वह उसी विमान से यात्रा करें, इसलिए उन्होंने उनकी बात मान ली। ट्रंप ने कहा, मैं वही करता हूं जो वे कहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि शायद वहां कोई खतरा था। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें बहुत सारी धमकियां मिलती रहती हैं। तुर्किये में पिछले महीने नाटो सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से गंभीर खतरे के चलते बेहद गोपनीय तरीके से वहां से निकाला गया था। ट्रंप को एयरफोर्स वन के पुराने विमान से एक खानपान सामग्री ले जाने वाले कंटेनर के जरिये निकालकर दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि वह 8 जुलाई को पुराने एयरफोर्स वन से ब्रिटेन जाएंगे। पत्रकारों ने तुर्किये में ट्रंप को पुराने नीले रंग के 747 विमान में चढ़ते हुए भी देखा था। हालांकि, ट्रंप उस विमान में सवार नहीं हुए। उन्हें दूसरी तरफ से कंटेनर के जरिये निकालकर एक सी-32ए सैन्य विमान से गुप्त रूप से ब्रिटेन भेजा गया। गौरतलब है कि 747 विमान कतर के शाही परिवार ने अमेरिका को उपहार में दिया था।

अचानक बदला प्लान : ट्रंप एक माह पहले कतर के शाही परिवार से उपहार में दिए गए इस विमान से तुर्किये पहुंचे थे। उन्हें इसी विमान से ब्रिटेन जाना था लेकिन ऐन वक्त पर प्लान बदला गया और कंटेनर में बैठाकर सी-32ए सैन्य विमान तक पहुंचाया गया।

तीसरी बार चुनाव लड़ने के सवाल पर क्या कहा : ट्रंप ने तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ने को लेकर पूछे गए सवाल को टालते हुए कहा कि वह चुनाव लड़ना पसंद करेंगे, लेकिन कानून इस मामले में बहुत सख्त है। ट्रंप ने कहा, हर कोई चाहता है कि मैं ऐसा करूं, लेकिन कानून बहुत सख्त है।

म्यांमार में सेना ने बदला हवाई हमलों का तरीका: क्या है 'डबल-टैप'; संयुक्त राष्ट्र की जांच में क्या खुलासे हुए

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार की सेना ने सरकार विरोधी सशस्त्र समूहों के साथ जारी संघर्ष के बीच हवाई हमले बढ़ा दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि इन हमलों में आम लोग मारे जा रहे हैं। सेना इन हमलों के लिए मोटर से चलने वाले पैराग्लाइडर और जाइरोकॉप्टर जैसे कम लागत वाले विमानों का इस्तेमाल पहले से ज्यादा कर रही है। उधर, रखाइन प्रांत में सरकार के खिलाफ लड़ रहे एक बड़े जातीय सशस्त्र समूह ने दावा किया है कि इस महीने अब तक सेना के हवाई हमलों में 20 आम लोग मारे गए हैं। म्यांमार के सैन्य शासन ने संयुक्त राष्ट्र की जांच या अराकान आर्मी के आरोपों पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे पहले सेना कहती रही है कि वह केवल युद्ध में वैध ठिकानों पर ही हमला करती है। सेना ने सरकार के खिलाफ लड़ रहे बलों पर आतंकवादी होने का आरोप लगाया है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से बनाई गई इंडिपेंडेंट इन्वेस्टिगेटिव मैकेनिज्म फॉर म्यांमार (आईआईएमएम) की रिपोर्ट में एक साल तक चली जांच का विवरण दिया गया है। यह जांच म्यांमार की सेना और उससे जुड़े हथियारबंद समूहों के साथ-साथ सरकार विरोधी सशस्त्र समूहों के कथित युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों को लेकर की गई थी। जांच में पाया गया कि दिसंबर और जनवरी में सेना की ओर से कराए गए चुनावों के दौरान हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाएं बढ़ गई थीं। आईआईएमएम ने कहा कि चुनाव से पहले के महीनों में हवाई हमले काफी बढ़ गए थे और चुनाव के बाद भी ये लगातार जारी रहे। जांचकर्ताओं ने लोगों को जानबूझकर और बिना किसी उचित वजह के हिरासत में लेने, यातना देने और यौन हिंसा की घटनाएं भी दर्ज कीं।

क्या है 'डबल-टैप' हवाई हमला : आईआईएमएम ने कहा कि सेना के बढ़ते 'डबल-टैप' हवाई हमलों से आम लोगों की मौत और घायल होने की संख्या बढ़ रही है। पहले हमला किया जाता है और फिर उसी जगह पर दोबारा हमला किया जाता है। जांच के अनुसार, दूसरे हमले में उन लोगों को निशाना बनाया जाता है, जो घायलों की मदद करने, उन्हें बचाने या वहां से भागने की कोशिश कर रहे होते हैं।

पैरामोटर और ड्रोन का क्यों बढ़ा इस्तेमाल : आईआईएमएम ने कहा कि म्यांमार की सेना हवाई हमलों के लिए मोटर से चलने वाले पैराग्लाइडर (जिसे पैरामोटर भी कहा जाता है) के साथ-साथ जाइरोकॉप्टर और ड्रोन का इस्तेमाल तेजी से कर रही है। इनसे कम ऊंचाई पर बिना किसी सटीक दिशा-निर्देशन वाले विस्फोटकों के जरिये हवाई हमले किए जाते हैं।

बिना आवाज कैसे पहुंचते हैं पैरामोटर : रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊपरी सागाइंग क्षेत्र में हाल की कई घटनाओं में पैरामोटर चला रहे पायलट कथित तौर पर अपने ठिकानों के पास पहुंचने पर इंजन बंद कर देते थे। इसके बाद वे बिना आवाज के हवा में ग्लाइड करते हुए आगे बढ़ते थे। इससे आम लोगों को भागने या सुरक्षित जगह पर पहुंचने के लिए बहुत कम या बिल्कुल भी चेतावनी नहीं मिलती थी। आईआईएमएम की रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब रखाइन में सेना के खिलाफ लड़ रहे एक बड़े जातीय सशस्त्र समूह अराकान आर्मी ने कहा कि 1 से 11 अगस्त के बीच तीन टाउनशिप में हुए हवाई हमलों में करीब 20 आम लोग मारे गए और 22 घायल हुए। समूह के मुताबिक, इनमें एक हमला ऐसा भी था, जिसमें आठ विमानों ने करीब एक घंटे तक बमबारी की। सेना समर्थित सरकार ने इन कथित हमलों पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। असिस्टेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स के अनुसार, 2021 से म्यांमार के सुरक्षा बलों ने 8,000 से ज्यादा आम लोगों की हत्या की है और 31 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। यह एक स्वतंत्र संगठन है, जो देश में जारी गृहयुद्ध के दौरान हुई गिरफ्तारियों और मौतों का विस्तृत रिकॉर्ड रखता है। आईआईएमएम की स्थापना 2018 में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने म्यांमार में अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघनों पर नजर रखने के लिए की थी। संस्था ने कहा कि उसने 1,600 से ज्यादा स्रोतों और गवाहों से सबूत जुटाए हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कमीशन के लालच में मुंबई से लाया 53 ग्राम MD ड्रग्स

बांद्रा से ट्रेन में नवसारी उतरा

सूरत में डिलीवरी देने से पहले ही पेडलर 'बिल्ला' गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत क्राइम ब्रांच ने 12 अगस्त 2026 की सुबह मिंढोला ब्रिज से कपलेटा चेक पोस्ट के बीच सार्वजनिक सड़क पर छापेमारी कर मुंबई से ड्रग्स की खेप लेकर आ रहे एक शातिर पेडलर को रंगेहाथ गिरफ्तार किया।

पुलिस टीम ने आरोपी के पास से 1,61,310 कीमत का 53.770 ग्राम अवैध मेफेड्रोन (MD) ड्रग्स बरामद किया। मोबाइल और नकदी समेत कुल 1,71,810 का मुद्देमाल जब्त किया गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान तौकीर उर्फ बिल्ला रईश खान (उम्र 20 वर्ष) के रूप में हुई है। वह वर्तमान में गोल्डन आवास, उना पाटिया, सूरत में रहता है और मूल रूप से बांदा, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। महज 20 साल की उम्र में ही वह कथित तौर पर अंतरराज्यीय ड्रग्स नेटवर्क से जुड़ गया था और आर्थिक लाभ के लिए मुंबई से ड्रग्स लाने वाले कैरियर/पेडलर के तौर पर काम कर रहा था।

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि ड्रग्स की यह खेप उसे मुंबई के धारावी में रहने वाले समीर उर्फ छोटू नामक व्यक्ति ने दी थी। सूरत रेलवे स्टेशन पर पुलिस की चेकिंग से बचने के लिए वह मुंबई के बांद्रा से ट्रेन में सवार हुआ और नवसारी उतर गया। इसके बाद वह सड़क मार्ग से सूरत में यासीन सलमान शेख को ड्रग्स की डिलीवरी देने जा रहा था, तभी पुलिस के ट्रैप में फंस गया।

इस मामले में ड्रग्स की खेप मंगाने वाला सूरत निवासी मुख्य सूत्रधार यासीन सलमान शेख (निवासी अलीफ नगर, ऊन पाटिया) और मुंबई का सप्लायर समीर उर्फ छोटू फिलहाल फरार हैं। सूरत क्राइम ब्रांच ने सभी आरोपियों के खिलाफ NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

श्रम अदालत में फैमिली कोर्ट शुरू करने का विरोध

सूरत के वकील अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

17 अगस्त से कामकाज बंद रखने का फैसला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में श्रम एवं औद्योगिक न्यायालय की इमारत में फैमिली कोर्ट शुरू करने के फैसले के खिलाफ वकील समुदाय में भारी रोष देखने को मिल रहा है। 17 अगस्त 2026 से लेबर कोर्ट की इमारत में फैमिली कोर्ट की दो नई अदालतें शुरू करने की प्रक्रिया जोर-शोर से चल रही है। हालांकि, इस फैसले का 'लेबर लॉज प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन' ने

कड़ा विरोध किया है और वकीलों ने अनिश्चितकाल के लिए कामकाज से दूर रहने की घोषणा कर दी है।

एसोसिएशन के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट की स्पष्ट गाइडलाइन है कि श्रम अदालत (Labour Court) के लिए अलग और स्वतंत्र भवन होना चाहिए तथा उसमें किसी अन्य अदालत को शामिल नहीं किया जा सकता। यह भवन विशेष रूप से श्रम एवं औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े मामलों और उनकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है। ऐसे में यहां फैमिली कोर्ट शुरू करने से पक्षकारों, वकीलों और अदालत के दैनिक संचालन में भारी परेशानियां पैदा हो सकती हैं।

17 अगस्त से वकीलों के हड़ताल पर जाने के कारण लेबर कोर्ट में चल रहे सैकड़ों मामलों की सुनवाई प्रभावित हो सकती है। इससे मजदूरों और श्रमिक पक्षकारों को बार-बार अदालत के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। वकीलों की मांग है कि जब तक फैमिली कोर्ट को शिफ्ट करने का फैसला वापस नहीं लिया जाता, तब तक उनका विरोध और आंदोलन जारी रहेगा।

चर्चित सतीश उर्फ सतीश मराठा हत्याकांड में बड़ा फैसला

6 आरोपियों को जलालपोर और नवसारी सब-जेल के बाद

अब वडोदरा जेल भेजने का कोर्ट का आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भेस्तान इलाके में हुए चर्चित सतीश उर्फ सतीश मराठा हत्याकांड में बड़ा फैसला सामने आया है। गंभीर आपराधिक इतिहास वाले आरोपियों को सूरत की लाजपोर सेंट्रल जेल में रखने पर एक बार फिर गैंगवार की स्थिति पैदा होने की आशंका जताई गई थी। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए कोर्ट के आदेश पर हत्या के मामले में गिरफ्तार छह आरोपियों को नवसारी सब-जेल भेजा गया था।

पुलिस और जेल प्रशासन को आशंका है कि आरोपियों के आपराधिक इतिहास और गैंग से कथित संबंधों के कारण नवसारी सब-जेल में भी उनकी सुरक्षा को खतरा हो सकता है। जेल में ही आरोपियों पर हमला होने की आशंका को देखते हुए अब सभी छह आरोपियों को नवसारी से वडोदरा जेल स्थानांतरित किया जाएगा। इस संबंध में कोर्ट ने आदेश जारी किया है।

आरोपियों का गंभीर आपराधिक इतिहास सामने आया है। ऐसे आपराधिक तत्व जेल में रहने के दौरान भी अपनी गैंग की गतिविधियां संचालित करते हैं, जिससे सुरक्षा एजेंसियों के सामने चुनौती पैदा होती है। सतीश मराठा हत्याकांड के आरोपियों के बीच भी गैंगवार जैसी स्थिति न बने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित रहे, इसे देखते हुए जेल ट्रांसफर का फैसला लिया गया है।

सतीश मराठा की हत्या 5 अगस्त की दोपहर भेस्तान इलाके में हुई थी। सतीश एक युवती के साथ स्विफ्ट कार में भीमनगर सरस्वती आवास के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान पहले से योजना बनाकर आए कानून के संघर्ष में आए किशोर बाइक पर पहुंचे और कार की ड्राइवर साइड का शीशा तोड़ दिया। कार का शीशा टूटने के बाद सतीश गुस्से में बाहर आया। इसी दौरान आसपास छिपे हमलावरों ने उसे घेर लिया। हमलावरों ने तलवार, धारिया, कुल्हाड़ी और चाकू जैसे धारदार हथियारों से सतीश पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

हमलावरों के घेरे से बचने के लिए सतीश ने भागने की कोशिश की। हालांकि हमलावरों ने उसका पीछा किया और उस पर बेहद नजदीक से फायरिंग की। गोली लगने से सतीश मराठा मौके पर ही गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई।

हत्या के बाद आरोपियों की सुरक्षा और जेल में संभावित गैंगवार को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है। नवसारी सब-जेल के बाद अब छह आरोपियों को वडोदरा जेल भेजने का कोर्ट ने आदेश दिया है। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य जेल में किसी अप्रिय घटना को रोकना और आरोपियों के बीच टकराव या हमले की आशंका को टालना है।

नकली PI के खिलाफ कतारगाम में मामला दर्ज

CID PI बनकर बिल्डर को धमकी-

'समझौता नहीं किया तो फंसा दूंगा'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कतारगाम GIDC में रियल एस्टेट का कारोबार करने वाले धवलभाई वावडिया को गांधीनगर CID क्राइम का PI बनकर धमकी देने वाले एक नकली पुलिस इंस्पेक्टर के खिलाफ कतारगाम पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

आरोपी तरुण परमार नामक व्यक्ति ने खुद को CID क्राइम गांधीनगर का PI बताकर व्यापारी को केस में फंसा देने की धमकी दी थी। इसके साथ ही आर्थिक लेन-देन के मामले में समझौता करने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था।

कतारगाम के बिल्डर धवलभाई वावडिया के भाई और अहमदाबाद के उदयभाई ओडेदरा तथा उनके पिता के बीच डायमंड मशीन बनाने वाली एक पार्टनरशिप फर्म चलती थी। मार्च 2026 में कंपनी के विघटन के बाद बकाया रकम का भुगतान नहीं होने पर धवलभाई ने संपर्क किया था।

इसी दौरान 5 अगस्त को धवलभाई को एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को CID क्राइम गांधीनगर का 'परमार साहब' बताते हुए समझौता करने के लिए दबाव बनाया। शक होने पर धवलभाई गांधीनगर स्थित पुलिस भवन के CID क्राइम कार्यालय पहुंचे और मामले की जानकारी ली। जांच के दौरान सामने आया कि इस नाम का कोई PI वहां कार्यरत ही नहीं है।

खुद की झूठी पहचान देकर धमकाने की कोशिश किए जाने की पुष्टि होने के बाद शिकायतकर्ता बिल्डर धवलभाई वावडिया कतारगाम पुलिस थाने पहुंचे। उन्होंने गांधीनगर CID के नकली PI के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

कतारगाम पुलिस ने नकली PI तरुण परमार के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लिंबायत में स्कूल शिफ्टिंग का विरोध

2,000 छात्रों के लिए पास ही

'रहीम बसेरा' में अस्थायी व्यवस्था की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लिंबायत क्षेत्र में स्कूल को दूसरी जगह शिफ्ट करने के फैसले का विरोध शुरू हो गया है। स्थानीय स्तर पर मांग उठाई गई है कि करीब 2,000 विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए पास स्थित 'रहीम बसेरा' में अस्थायी रूप से स्कूल की व्यवस्था की जाए।

स्थानीय लोगों और अभिभावकों का कहना है कि स्कूल को दूर स्थानांतरित करने से विद्यार्थियों को आने-जाने में परेशानी होगी और उनकी पढ़ाई पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए स्थायी व्यवस्था होने तक छात्रों के लिए स्कूल के नजदीक ही वैकल्पिक भवन उपलब्ध कराया जाए।

स्कूल शिफ्टिंग के कारण बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अभिभावकों की मांग है कि प्रशासन छात्रों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करे।

स्थानीय स्तर पर सुझाव दिया गया है कि स्कूल के नजदीक स्थित 'रहीम बसेरा' में अस्थायी कक्षाओं की व्यवस्था की जाए, ताकि स्कूल की मूल व्यवस्था होने तक करीब 2,000 विद्यार्थियों की पढ़ाई सुचारु रूप से जारी रह सके।

होटल के कमरा नंबर 411 में चल रहा था हार-जीत का खेल

श्रावण मास में इच्छापोर पुलिस ने होटल मालिक समेत

29 लोगों को 24.13 लाख के माल के साथ दबोचा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के इच्छापोर थाना क्षेत्र में अपराध का एक नया पैटर्न सामने आया है। इच्छापोर बस स्टेशन नंबर-3 के पास स्थित 'सनसिटी' होटल की चौथी मंजिल पर बने कमरा नंबर 411 को जुआघर में तब्दील कर दिया गया था। श्रावण मास की शुरुआत होते ही होटल के कमरे को सुरक्षित जगह समझकर हार-जीत का जुआ खिलाने की साजिश रची गई थी। सूचना के आधार पर इच्छापोर पुलिस ने रात के समय छापा मारकर होटल के बंद कमरे से कानून की धज्जियां उड़ाते हुए 29 जुआरियों को रंगेहाथ पकड़ लिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि इस पूरे खेल का मुख्य सूत्रधार होटल मालिक महेशकुमार हीराभाई चौधरी (निवासी पाल, सूरत) खुद था। महेश चौधरी ने अपने साथियों शाहरुख शरीफ शेख, आसिफ खान पठान और मोहम्मद साजिद के साथ मिलकर यह साजिश रची थी। वे सूरत शहर के अलग-अलग इलाकों जैसे लालगेट, सलाबतपुरा, डिंडोली, उधना और चौक बाजार से जुआरियों को बुलाकर होटल के कमरे में जुए का अड्डा चला रहे थे।

इच्छापोर पुलिस द्वारा की गई छापेमारी के दौरान मौके से बड़ी मात्रा में सामान जब्त किया गया। इसमें 3,20,780 रुपये नकद, 4,23,000 रुपये कीमत के 30 इलेक्ट्रॉनिक मोबाइल फोन, 2 चारपहिया वाहन, 1 ऑटो रिक्शा और 11 मोटरसाइकिलें शामिल हैं। वाहनों की कुल कीमत करीब 16,70,000 रुपये बताई गई है। इस तरह पुलिस ने कुल 24,13,780 रुपये का मुद्देमाल जब्त किया है। इसके अलावा गंजिफा खेलने के 12 सेट और आंकड़े लिखने वाला बोर्ड भी बरामद किया गया।

छापेमारी के दौरान एक महिला समेत कुल 29 लोगों को मौके से गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों के खिलाफ इच्छापोर पुलिस थाने में जुआ अधिनियम की धारा 4 और 5 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

इस कार्रवाई के बाद सूरत में होटल और रिसॉर्ट की आड़ में चलने वाली अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। आने वाले दिनों में होटल का लाइसेंस रद्द करने सहित अन्य कड़ी कार्रवाई भी की जा सकती है।

होटल मालिक महेशकुमार चौधरी ही निकला मुख्य सूत्रधार

29 आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज

24.13 लाख का माल जब्त, नकदी, 30 मोबाइल और 14 वाहन कब्जे में

नई सिविल मेडिकल कॉलेज के डॉ. हर्ष पंड्या आत्महत्या मामले में नया मोड़

4 आरोपी सीनियर डॉक्टरों को पुलिस का नोटिस

VNSGU रिपोर्ट में विरोधाभास से उठे सवाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की नई सिविल अस्पताल के जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. हर्ष पंड्या की आत्महत्या और रैगिंग मामले में खटोदरा पुलिस ने जांच तेज कर दी है। एंटी-रैगिंग स्क्वॉड की रिपोर्ट के आधार पर दर्ज शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी चारों सीनियर रेजिडेंट डॉक्टरों—डॉ. निराली वसावे, डॉ. अनुज माहेश्वरी, डॉ. दिशिता घेवरिया और डॉ. हीना भूत—को विधिवत नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए तत्काल उपस्थित होने का आदेश दिया है।

जांच में सामने आया है कि आरोपियों द्वारा मृतक डॉ. हर्ष पंड्या सहित अन्य जूनियर डॉक्टरों को सीरोलॉजी लैब में घंटों तक बैठाकर कथित रूप से मानसिक प्रताड़ना दी जाती थी। इसके अलावा जूनियर डॉक्टरों के साथ कथित तौर पर गाली-गलौज की जाती थी और प्रोफेसरों के सामने उनके खिलाफ शिकायतें कर उन्हें परेशान किया जाता था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कमेटी ने चारों डॉक्टरों को 6 महीने के लिए निलंबित किया है। वहीं पुलिस ने BNS की धारा 127(2) (गैरकानूनी तरीके से रोकना), 352 (जानबूझकर अपमान) और 354 के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। दूसरी ओर, सरकारी मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में रैगिंग को लेकर तैयार जांच रिपोर्ट नर्मदा विश्वविद्यालय को सौंप दी गई है। हालांकि रिपोर्ट के निष्कर्षों में गंभीर विरोधाभास सामने आने की बात कही जा रही है।

रिपोर्ट में एक ओर प्रथम वर्ष के 9 रेजिडेंट डॉक्टरों के साथ बार-बार मौखिक दुर्व्यवहार और मानसिक उत्पीड़न के रूप में रैगिंग होने की बात स्वीकार की गई है। वहीं दूसरी ओर स्वर्गीय डॉ. हर्ष पंड्या की आत्महत्या का रैगिंग से सीधा संबंध नहीं होने का उल्लेख किया गया है।

जयेश ब्रह्मभट्ट बोले- 'जीवित रहते डॉ. हर्ष पंड्या की कोई शिकायत नहीं मिली थी, रैगिंग के कारण आत्महत्या की या नहीं, यह अस्पष्ट'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की सिविल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर हर्ष पंड्या की आत्महत्या के मामले में एक बेहद महत्वपूर्ण मोड़ सामने आया है। इस चर्चित घटना के बाद अस्पताल और कॉलेज प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। इसी बीच सिविल मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जयेश ब्रह्मभट्ट, जो अचानक छुट्टी पर चले गए थे, अब सामने आए हैं।

डीन डॉ. जयेश ब्रह्मभट्ट ने बताया कि घटनाक्रम से जुड़ी सभी जानकारियों, की गई कार्रवाई और लिए गए निर्णयों की विस्तृत रिपोर्ट राज्य सरकार, विश्वविद्यालय, नेशनल मेडिकल कमीशन और गुजरात मेडिकल काउंसिल को सौंप दी गई है।

कमेटी के सामने उपलब्ध दस्तावेजों और सबूतों की जांच में प्रथम दृष्ट्या छात्र के साथ रैगिंग किए जाने की बात सामने आई है। 9 छात्रों द्वारा की गई कथित रैगिंग की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कमेटी के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पुलिस शिकायत दर्ज कराने का फैसला किया, ताकि कानूनी कार्रवाई शुरू की जा सके।

डीन के मुताबिक, दिवंगत हर्ष पंड्या की ओर से जीवित रहते एंटी-रैगिंग स्क्वॉड या कमेटी के समक्ष पहले कोई शिकायत नहीं मिली थी। हालांकि, उनकी मौत के बाद उसी दिन शाम करीब 6 बजे 9 छात्रों और हर्ष के पिता की ओर से जांच के लिए आवेदन दिया गया था। इसी शिकायत के आधार पर जांच कमेटी का गठन किया गया और आगे के निर्णय लिए गए। जब डॉ. हर्ष ने रैगिंग के कथित उत्पीड़न के कारण ही आत्महत्या की थी या नहीं, इस बारे में पूछा गया तो डीन ने कहा कि फिलहाल मामला पुलिस जांच के अधीन है। पुलिस जांच के अंत में सामने आने वाले निष्कर्षों और तथ्यों के आधार पर ही आत्महत्या के वास्तविक कारण के बारे में स्पष्ट रूप से कहा जा सकेगा।